ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 315 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
21 मई 2026 गुरुवार

आज का मौसम
42.6 अधिकतम
29.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ट्विशा को चाहिए न्याय... हर कदम पर पुलिस की लापरवाही, भोपाल से मिली निराशा

हाईकोर्ट जाएगा ट्विशा शर्मा का परिवार कंज्यूमर कोर्ट से हटेंगी गिरिबाला सिंह

शार्ट पीएम में मिले थे शरीर पर कई चोटों के निशान, इसके बाद भी आरोपी पर मेहरबान रही पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चर्चित एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले में पुलिस की कई बड़ी चूक सामने आई हैं, जिसके चलते मुख्य आरोपी समर्थ सिंह घटना के 9 दिन बाद भी फरार है। हालांकि, पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने आरोपी पर घोषित इनाम राशि 10 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दी है। आरोपी की तलाश में छह टीमें लगाई गई हैं। मामले में एसआईटी गठित की गई है और लुक-आउट नोटिस भी जारी किया गया है, लेकिन अब तक आरोपी गिरफ्त में नहीं आया है। उधर मृतका के परिजन अब हाईकोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं।

हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत खारिज करने की मांग की जाएगी। भोपाल की कोर्ट से शव का दुबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग खारिज होने के बाद इसके लिए भी हाईकोर्ट में मांग होगी। इसके अलावा परिवार भोपाल की कोर्ट में भी एक अलग आवेदन देने जा रहा है। इस आवेदन में उन सभी मोबाइल नंबरों और डिजिटल रिकॉर्ड्स को सुरक्षित रखने की मांग की जाएगी जो गिरिबाला सिंह के परिवार से जुड़े हैं। उल्लेखनीय हैं कि भोपाल एम्स की शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट घटना के 24 घंटे के भीतर पुलिस को मिल गई थी। रिपोर्ट में मृतका के शरीर पर कई चोटों के निशान होने का उल्लेख था। इसके बावजूद पुलिस समय रहते आरोपी तक नहीं पहुंच सकी। वहीं परिजन शुरुआत से ही ट्विशा की मौत को

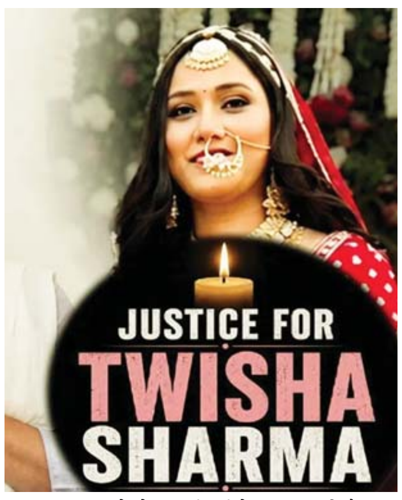

संदिग्ध बता रहे थे। कार्रवाई में लापरवाही के आरोप लगा रहे थे। ट्विशा के परिजन भोपाल पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं हैं। उनका आरोप है कि 13 मई की रात वे कटारा हिल्स थाने पहुंचे थे, जहां थाना प्रभारी सुनील दुबे और स्टाफ ने उनके साथ अभद्रता की। परिजनों का कहना है कि थाने के गेट बंद कर उन्हें बाहर जाने के लिए कहा गया। मामले में अब तक किसी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज परिवार हाईकोर्ट जाने की तैयारी कर रहा है।

कंज्यूमर कोर्ट के लिए प्रक्रिया शुरू

उधर सरकार ने गिरिबाला सिंह को उपभोक्ता फोरम के पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और आरोपों की जांच के आदेश दे दिए हैं। ट्विशा के परिजनों ने उन पर दहेज प्रताड़ना और जांच को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने के लिए मध्य प्रदेश के राज्यपाल को पत्र लिखा था। इसके बाद खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने स्पष्ट किया है कि रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कैसा सिस्टम, शव नहीं रख सकता!

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनूदिता गुप्ता ने अपने आदेश में कहा कि प्रदेश के बाहर दोबारा पोस्टमॉर्टम की अनुमति देना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। बॉडी को सुरक्षित रखने के लिए कटारा हिल्स थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए हैं लेकिन पुलिस लगातार परिजनों पर दबाव बना रही है कि वे ट्विशा की बॉडी ले लें क्योंकि यहां अधिक दिनों तक शव को सुरक्षित रखने की सुविधा नहीं है। उनका कहना है कि एम्स की जिस मर्चुरी में बॉडी रखी गई है, वहां केवल माइनस चार डिग्री तापमान में बॉडी को रखने की सुविधा है। ऐसे में परिजनों का सवाल है कि निष्पक्ष जांच तक शव को रखने के लिए यदि सुविधा नहीं होगी तो हमारे सिस्टम के लिए इससे ज्यादा शर्मनाक बात क्या हो सकती है। उनका आरोप है कि पुलिस चाहती है शव का अंतिम संस्कार कर दिया जाए ताकि मामला दब जाए।

नीट के बाद अब सीबीएसई बारहवीं के मूल्यांकन पर सवाल

युवाओं का भविष्य संवारना कठिन है प्रधान जी इस्तीफा देना आसान है, यही कर लीजिए...

देश की शिक्षा व्यवस्था इस समय ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां छात्रों का परिश्रम नहीं, बल्कि सरकारी अव्यवस्था और संस्थागत लापरवाही उनके भविष्य का फैसला कर रही है। पहले नीट परीक्षा में पेपर लीक ने 22 लाख विद्यार्थियों के सपनों को झकझोर दिया और अब सीबीएसई की बारहवीं बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन में सामने आई भारी गड़बड़ियों ने यह साबित कर दिया है कि शिक्षा मंत्रालय सुधार के नाम पर प्रयोग तो कर रहा है, लेकिन उसकी कोई जवाबदेही तय नहीं है।

सीबीएसई ने उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन और स्कैनिंग की जिस व्यवस्था को आधुनिक और पारदर्शी बताकर लागू किया, वही छात्रों के लिए संकट बन गई। लाखों कॉपियों का मूल्यांकन ऐसे अनट्रेंड लोगों से कराया गया जिन्हें न विषय की समझ थी और न मूल्यांकन की गंभीरता का बोध। ऊपर से ओएसएम जैसी तकनीकी प्रणाली बार-बार फेल होती रही। कई छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं स्कैन ही नहीं हो पाईं, तो कई के अंक गलत अपलोड हुए। सवाल यह है कि जब व्यवस्था तैयार ही नहीं थी तो छात्रों के भविष्य के साथ यह खतरनाक प्रयोग क्यों किया गया? शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई लगातार डिजिटल इंडिया और नई शिक्षा नीति का ढोल पीटते रहे, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि तकनीक का इस्तेमाल तैयारी के बिना किया गया। परिणाम यह हुआ कि मेहनत छात्रों ने की और कीमत भी वही चुका रहे हैं। जिन विद्यार्थियों ने दिन-रात पढ़ाई कर परीक्षा दी, उनके परिणाम अब सर्वर, स्कैनिंग मशीन और अनुभवहीन मूल्यांकनकर्ताओं की दया पर निर्भर हैं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि छात्रों के विश्वास के साथ धोखा है।

कहना जरूरी है
अनिल शर्मा

नीट पेपर लीक मामले में भी सरकार की भूमिका कठघरे में रही। देशभर में परीक्षा माफिया सक्रिय रहे, प्रश्नपत्र बाजार में बिकते रहे और सरकार जांच तथा कड़ी कार्रवाई के बयान देती रही। लाखों छात्रों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया, अदालतों का दरवाजा खटखटाया, लेकिन शिक्षा मंत्रालय ने नैतिक जिम्मेदारी लेने के बजाय पूरे मामले को तकनीकी बहसों में उलझाने की कोशिश की। अगर 22 लाख छात्रों की परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल उठ जाएं और फिर भी मंत्री पद सुरक्षित रहे, तो नो टॉलरेंस का नारा केवल राजनीतिक भाषण बनकर रह जाता है।

विडंबना यह भी है कि यूजीसी की विवादित गाइडलाइन में सवर्णों के खिलाफ कथित भेदभावपूर्ण प्रावधानों को लेकर भी सरकार आलोचना झेल चुकी है। यानी शिक्षा के हर बड़े मोर्चे पर सरकार या तो विवादों में है या विफलताओं में। इसके बावजूद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही तय नहीं होती। क्या भारत में मंत्री केवल उपलब्धियों का श्रेय लेने के लिए होते हैं और विफलताओं की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई नहीं? लोकतंत्र में जवाबदेही ही सुशासन की पहली शर्त होती है। रेलवे हादसा होने पर इस्तीफे की मांग उठती है, सुरक्षा चूक पर अधिकारियों को हटाया जाता है, लेकिन शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में लगातार हो रही गड़बड़ियों के बावजूद सत्ता का मौन चिंता बढ़ाता है। छात्रों का भविष्य किसी राजनीतिक प्रयोगशाला का हिस्सा नहीं हो सकता। अगर सरकार सचमुच न्यू इंडिया बनाना चाहती है, तो उसे यह समझना होगा कि शिक्षा व्यवस्था विश्वास पर चलती है, प्रचार पर नहीं।

आज देश का छात्र पूछ रहा है कि जब हर परीक्षा विवादों में घिर रही है, हर परिणाम पर सवाल उठ रहे हैं और हर सुधार अव्यवस्था में बदल रहा है, तब जिम्मेदार कौन है? अगर शिक्षा मंत्रालय अपनी जवाबदेही स्वीकार नहीं करता और शिक्षा मंत्री से इस्तीफा तक नहीं लिया जाता, तो यह संदेश जाएगा कि इस देश में छात्रों के भविष्य की कोई राजनीतिक कीमत नहीं है। यही सबसे खतरनाक स्थिति है।

गुजरात-चेन्नई, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

बंगाल के मदरसों में अब वंदे मातरम गाना अनिवार्य

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की शुभेंदु सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। बंगाल सरकार के अल्पसंख्यक कार्य और मदरसा शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया गया है। अब मदरसों में इस आदेश का पालन करना जरूरी है। यह नया नियम सरकारी मदरसों से लेकर सभी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त मदरसों पर भी लागू होगा। पिछले सप्ताह स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से जारी एक नोटिस में सभी स्कूलों को निर्देश दिया गया था कि हर दिन कक्षाएं शुरू होने से पहले वंदे मातरम गीत का गायन सुनिश्चित किया जाए।

अपने वार्ड में भी हार गईं ममता : पेज 8

चंडीगढ़ के स्कूलों और सीएम ऑफिस को उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के कई स्कूलों को भेजे गए धमकी भरे ई-मेल में स्कूलों में बम धमाके की चेतावनी दी गई है। ई-मेल में चंडीगढ़ के स्कूलों के साथ-साथ हरियाणा का मुख्यमंत्री कार्यालय का भी उल्लेख किया गया है। धमकी मिलने के बाद पुलिस, साइबर सेल और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। ई-मेल में कुछ आपत्तिजनक और भड़काऊ संदेश भी लिखे गए हैं। मेल में 6 जून 2026 तक अंबाला से दिल्ली रेल ट्रैक पर आईईडी धमाकों की धमकी का भी जिक्र किया गया है।

ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में टकराव

अमेरिका डील के पक्ष में, इजराइल बोला - हमला नहीं रुकना चाहिए

तेल अवीव/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दो दिन पहले दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे की बातचीत में नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। न्यूज एजेंसी को इसकी जानकारी एक अमेरिकी अधिकारी ने दी।

सीएनएन के मुताबिक, ट्रम्प ने रविवार को नेतन्याहू को बताया था कि अमेरिका ईरान पर नए टारगेटेड हमले की तैयारी कर रहा है। इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन स्लेजहैमर' नाम दिया जाना था। लेकिन करीब 24 घंटे बाद ट्रम्प ने घोषणा कर दी कि मंगलवार के लिए तय हमलों को फिलहाल रोक दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर,

सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देशों की अपील पर यह फैसला लिया गया।

उधर, ईरान ने दावा किया हैं कि उसकी मंजूरी से 26 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। इनमें तेल टैंकर और कॉमर्शियल जहाज शामिल थे। होर्मुज हालांकि होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करने के लिए नई यूएई द्वारा पाइपलाइन बनाने का काम जारी हैं। दावा हैं कि नई पाइपलाइन का 50 फ़ीसदी काम पूरा हो चुका है। युद्ध के बाद फुजैराह तेल हब पर ड्रोन हमलों की घटनाएं भी सामने आई हैं। यूनाइटेड नेशंस की फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन ने कहा हैं कि होर्मुज में रुकावट बढ़ी तो दुनिया में खाद्य संकट और महंगाई बढ़ सकती है। एजेंसी ने देशों से वैकल्पिक सप्लाई रूट तैयार करने की अपील की है ।

विजय कैबिनेट में 23 मंत्रियों की शपथ, 2 कांग्रेस के

चेन्नई. एजेंसी

तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हो गया है। नई सरकार में विजय की टीवीके पार्टी के 21 और सहयोगी दल कांग्रेस के 2 विधायकों ने मंत्री के रूप में शपथ ली।

टीवीके सरकार के बहुमत के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले दो अहम सहयोगी दल, आईयूएमएल और वीसीके फिलहाल इस कैबिनेट विस्तार का हिस्सा नहीं हैं। दोनों

दलों के पास 2-2 विधायक हैं। आईयूएमएल और वीसीके दोनों के लिए कैबिनेट में एक-एक पद आरक्षित रखा गया है, लेकिन उन्होंने अभी तक अपने मंत्रियों के नाम तय नहीं किए हैं। इन दोनों सहयोगी दलों को बाद के चरण में सरकार में शामिल किया जाएगा।

नीट घोटाले पर कांग्रेस का जयपुर में हल्लाबोल, पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

जयपुर. एजेंसी

नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर राजस्थान की राजधानी जयपुर में गुरुवार को कांग्रेस ने बीजेपी मुख्यालय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद स्मारक के रास्ते बीजेपी कार्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शन के चलते पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने रास्ते में कई जगह बैरिकेड्स लगाए थे, लेकिन प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। बीजेपी मुख्यालय की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

इबोला वायरस की हेल्थ इमरजेंसी को लेकर दिल्ली एयरपोर्ट पर अलर्ट

नईदिल्ली. एजेंसी

इबोला वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने इसे दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है। अफ्रीका महाद्वीप में इस वायरस का प्रकोप सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। राहत की बात यह है कि भारत में अभी तक इबोला वायरस का एक भी मामला सामने नहीं आया है। हालांकि, एहतियात के तौर पर दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने उन देशों से आने वाले यात्रियों के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की है, जहां यह बीमारी तेजी से फैल रही है। इनमें मुख्य रूप से साउथ सूडान और युगांडा जैसे देश शामिल हैं। अफ्रीका में बिगड़ते हालातों को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर विदेश से आने वाले यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग और कड़ी निगरानी शुरू कर दी गई है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | **बोस्टन में पढ़ रहे युवक ने चीफ जस्टिस के बयान के विरोध में बनाया जेन जी का दल**

ये है 'कॉकरोच जनता पार्टी'... 6 दिन में एक करोड़ से ज्यादा फॉलोअर

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के कॉकरोच वाले बयान के विरोध में बनी 'कॉकरोच जनता पार्टी' के सोशल मीडिया पर 5 दिन में एक करोड़ से ज्यादा फॉलोअर हो गए हैं। आज सुबह तक तक यह आंकड़ा इंस्टाग्राम पर 1.1 करोड़ से ज्यादा और एक्स पर करीब 1 लाख 60 हजार तक पहुंच गया। बता दें कि इंस्टाग्राम पर भाजपा के 87 लाख और कांग्रेस के 1.33 करोड़ फालोअर हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी महाराष्ट्र के अभिजीत दीपके ने बनाई है। इसका नारा है- 'सेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक, लेजी।' पार्टी के महज एक दिन में ही 40 लाख से ज्यादा फॉलोअर बढ़ चुके हैं। दरअसल, 15 मई को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जस्टिस सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कुछ बेरोजगार युवाओं की

तुलना कॉकरोच से की थी। अभिजीत ने पार्टी का लोगो भी जारी किया है। उन्होंने पार्टी की सदस्यता के लिए 4 योग्यताएं राखी है जिनमें पहली बेरोजगारी है। दूसरी- आलसी होना यानी डले रहो, पड़े रहो। तीसरी- ऑनलाइन रहने की लत और अंतिम है प्रोफेशनली भड़ास निकालने की क्षमता। अभिजीत अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन की मास्टर डिग्री कर रहे हैं। उन्होंने बीबीसी को बताया, मैं एक्स पर चीफ जस्टिस का बयान देख रहा था, जहां पर वो सिस्टम की आलोचना करने और राय देने के लिए देश के युवाओं की तुलना कॉकरोच और परजीवियों से कर रहे थे। सोशल मीडिया पर मैंने इस पर अपनी राय दी। मैंने पूछा कि सब कॉकरोच एक साथ आ जाएं तो क्या होगा। मुझे जेन जी और 25 साल तक के युवाओं के कमाल के जवाब मिले। उन्होंने कहा कि हमें साथ आना चाहिए और एक प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चीफ जस्टिस सूर्यकांत अपनी पैरासाइट और कॉकरोच वाली टिप्पणी पर सफाई दे चुके हैं। उन्होनें कहा, मेरी टिप्पणी खास तौर पर उन लोगों के लिए थी, जो फर्जी और नकली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे पेशों में आ गए हैं। मीडिया, सोशल मीडिया और दूसरे सम्मानित पेशों में भी ऐसे लोग घुस आए हैं। वे परजीवियों जैसे हैं।

मैनिफेस्टो भी जारी, पांच वायदे

अगर कॉकरोच जनता पार्टी सरकार में आती है तो रिटायरमेंट के बाद किसी भी चीफ जस्टिस को राज्यसभा जाने का रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। अगर कोई वैध वोट डिलीट किया जाएगा, तो मुख्य चुनाव आयुक्त को यूएपीए में गिरफ्तार किया जाएगा क्योंकि किसी के वोटिंग का अधिकार छीनना आतंकवाद से कम नहीं। महिलाओं के लिए 50 फ़ीसदीका आरक्षण होगा, न कि 33 फ़ीसदी। इसके लिए सांसदों की संख्या भी नहीं बढ़ाई जाएगी। कैबिनेट में भी महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण होगा। अंबानी और अडाणी के सभी मीडिया संस्थानों के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे, ताकि वास्तव में स्वतंत्र मीडिया को जगह मिल सके। गोदी मीडिया एंकरों के बैंक अकाउंट्स की जांच कराई जाएगी।अगर कोई विधायक या सांसद दलबदल कर दूसरी पार्टी में जाता है तो उसके चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगाई जाएगी।

धूल, जाम और अधूरे निर्माण से बढ़ी लोगों की परेशानी

विदिशा बाईपास रोड स्थित चोपड़ा रोड पर लंबे समय से चल रहे पुल निर्माण कार्य ने आम लोगों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार और अधूरी व्यवस्था के कारण रोजाना इस मार्ग पर जाम, धूल और अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई महीनों से पुल निर्माण का कार्य जारी है, लेकिन अब तक काम पूरा नहीं हो पाया है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और अधूरी खुदाई होने के कारण छोटे वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाइक सवार और स्कूली बच्चे धूल-मिट्टी के बीच सफर करने को मजबूर हैं। दिनभर सड़क पर उड़ती धूल के कारण आसपास के दुकानदारों और रहवासियों को भी दिक्कत हो रही है। लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी द्वारा पानी का छिड़काव भी नियमित रूप से नहीं किया जा रहा, जिससे हालात और खराब हो रहे हैं। व्यस्त मार्ग होने के कारण सुबह और शाम के समय यहां लंबा जाम लग जाता है। कई बार एंबुलेंस और जरूरी सेवाओं के वाहन भी ट्रैफिक में फंस जाते हैं। वाहन चालकों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं।

कई शहर भट्ठी की तरह तप रहे

एमपी के सात जिलों में आज लू का रेड अलर्ट खजुराहो में 33 साल का रिकॉर्ड टूटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी में गर्मी अपने पीक पर है। खजुराहो, नौगांव, निवाड़ी, दतिया, राजगढ़ समेत कई शहर भट्ठी की तरह तप रहे। बुधवार को प्रदेश के 16 शहरों में पारा 44 डिग्री के पार रहा।

खजुराहो सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 47.4 डिग्री पहुंच गया। यह देश का दूसरा और दुनिया का चौथा सबसे गर्म शहर रहा। बता दें कि 20 मई को अस्वान (मिस्र) में 49.4 डिग्री, अराफात (सऊदी अरब) 48.4 डिग्री और बांदा (भारत) 48.2 डिग्री तापमान था। देश की बात करें तो बांदा के बाद खजुराहो में सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मई में पहली बार खजुराहो इतना तपा है। इससे पहले 29 अप्रैल 1993 को अधिकतम तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम केंद्र भोपाल ने गुरुवार को पूरे प्रदेश में हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। 7 जिलों में तीव्र लू का रेड अलर्ट है। गुरुवार को जिन जिलों में तीव्र लू का रेड अलर्ट है, उनमें भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना शामिल हैं। इन शहरों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री या इससे ज्यादा रह सकता है। वहीं भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, रायसेन, दमोह, कटनी, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, रतलाम और झाबुआ में तीव्र लू का ऑरेंज अलर्ट है।

लू से जानवरों को बचाने के लिए वन विहार में लगाए कूलर और ग्रीन नेट: भोपाल में भीषण गर्मी का असर अब जानवरों पर भी दिखाई देने लगा है। शहर का तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया है। गुरुवार सुबह से ही

तेज गर्मी का दौर रहा और सुबह 11.30 बजे तक पारा 38 डिग्री दर्ज किया गया। ऐसे में वन विहार नेशनल पार्क ने जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

वन विहार में शेर, बाघ और तेंदुओं के हाउस की खिड़कियों पर पर्दे और ग्रीन नेट लगाई गई है, ताकि धूप और गर्म हवा का असर कम हो। बाड़ों में पानी की होद लगातार भरी जा रही है, जहां टाइगर पानी में अठखेलियां करते नजर आ रहे हैं। वन विहार के डायरेक्टर विजय कुमार ने बताया कि हाउस में कूलर लगाए गए हैं। जानवरों को साल्ट लिक्स और मिनरल मिक्चर भी दिया जा रहा है। वहीं हिरण, सांभर और अन्य खुले में घूमने वाले जानवरों के लिए हरा चारा और पर्याप्त पानी की व्यवस्था की गई है।

6 जिलों में लू को लेकर इमरजेंसी अलर्ट

भीषण गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए सतना, रीवा, मैहर, टीकमगढ़, निवाड़ी और छतरपुर जिले में आपातकालीन अलर्ट जारी किया गया है। ज्यादातर लोगों के मोबाइल फोन पर चेतावनी संदेश पहुंचा, जिसमें धूप से बचने, जरूरी सावधानी बरतने और बिना जरूरत बाहर न निकलने की सलाह दी गई। देवास जिले में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाओं से लोग परेशान हैं। दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा रहने लगा है और लोग जरूरी काम होने पर ही बाहर निकल रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है। 25 मई से शुरू हो रहे नौतपा में गर्मी के तीखे तेवर देखने को मिल सकते हैं। इस दौरान तेज गर्म हवाएं चलने और लू का असर बढ़ने की संभावना है। गुरुवार सुबह 11 बजे तक तापमान 35 डिग्री रहा। वहीं दोपहर 12 से 2 बजे के बीच तापमान 40 डिग्री से ज्यादा पहुंचने की संभावना जताई है।

दोपहर 12 से 3 बजे तक बाहर न निकलें

प्रदेश में पिछले 2 दिन से भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में मौसम विभाग ने दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की चेतावनी जारी की है। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने कहा कि दोपहर 12 से 3 बजे तक ज्यादा असर रहेगा। ऐसे में लोग जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकले। भोपाल में सुबह 8.30 बजे तापमान 30 डिग्री रहा।

बस हादसों पर पीटीआरआई की टिप्पणी, यह घोर लापरवाही

आज से 28 मई तक विशेष जांच अभियान, रोज की कार्यवाही की रिपोर्ट देंगे पुलिस अधीक्षक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बसों में एग्जिट गेट और अन्य कमियों की वजह से होने वाले हादसों और यात्रियों की मौत पर पीटीआरआई (पुलिस ट्रेनिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) ने नाराजगी जताई है। पीटीआरआई ने कहा है कि बसों में आपातकालीन निकासी व्यवस्था न होने से किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होना केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं और दायित्वों के प्रति घोर उदासीनता है। इसलिए आज से 28 मई तक पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाकर बसों की जांच करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पुलिस आयुक्त भोपाल, इंदौर और सभी पुलिस अधीक्षकों को लिखे पत्र में पीटीआरआई की ओर से कहा गया है कि यह अत्यंत चिंतनीय है कि सार्वजनिक परिवहन जैसे संवेदनशील क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की उपेक्षा की जा रही है। इससे मानव जीवन के अधिकार के साथ गंभीर खिलवाड़ की स्थिति बन रही है। पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और यात्री बसों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी को देखते हुए पुलिस परिवहन शोध संस्थान ने प्रदेशभर में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश जारी किए हैं। यह अभियान 21 मई से 27 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा।

सघन निरीक्षण हो, सौ फीसदी फिजिकल जांच हो: पीटीआरआई की ओर से यह भी कहा गया है कि जिलों में संचालित सभी यात्री बसों के संबंध में तत्काल प्रभाव से विशेष सघन निरीक्षण और 100 फ़ीसदी फिजिकल जांच अभियान चलाया जाए, ताकि कोई भी बस निश्चित सुरक्षा मानकों की अवहेलना करते हुए संचालित न होने पाए। इसमें यह भी कहा गया है कि बिना फिटनेस बिना परमिट और बिना वैध दस्तावेज के संचालित बसों पर कठोर कार्यवाही की जाए। ओवरलोडिंग, ओवर स्पीड और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने पर इस जांच से प्रभावी नियंत्रण हो सकेगा। सभी पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों से प्रतिदिन की जाने वाली कार्यवाही की रिपोर्ट भी देने के लिए कहा गया है।

चेकिंग के दौरान इस पर फोकस: चेकिंग के दौरान यह देखा जाएगा कि फायर एक्सटिंग्विशर, इमरजेंसी एग्जिट और फर्स्ट एड बॉक्स की उपलब्धता है या नहीं है और वह वैध है या नहीं है। वाहन पंजीयन प्रमाण पत्र, परमिट फिटनेस प्रमाण पत्र एवं बीमा दस्तावेज की जांच भी की जाएगी।

राजधानी के जेपी हॉस्पिटल में दवाओं की कमी मरीज 40 फीसदी दवाएं बाहर से खरीद रहे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जयप्रकाश (जेपी) जिला अस्पताल में मरीजों को पूरी दवाएं नहीं मिल पा रहीं। स्थिति यह है कि पर्चे पर लिखी करीब 40 प्रतिशत दवाएं बाजार से खरीदनी पड़ रहीं हैं। डॉक्टर तक रोगियों को बता रहे हैं कि यह दवा जरूरी है लेकिन आपको बाहर मेडिकल स्टोर से खरीदनी पड़ेंगी। अस्पताल में दवा लेने आए विनोद पटेल ने बताया कि डॉक्टर ने जो दवा लिखी थी, वह दवा नहीं है। इसलिए वो दवा बदलवाने दोबारा डॉक्टर के पास जा रहे हैं। उन्हें फिर से लाइन में लगना होगा। जो काम 1 घंटे में हो जाता उसमें 2 घंटे लगेंगे। वह सुबह जल्दी आए थे ताकि जल्दी से इलाज हो पर दवा न मिलने से फिर से परेशान होना होगा। ये सिर्फ विनोद की कहानी नहीं है, ऐसे कई मरीज हैं जो दवा न मिलने पर या तो दवा बदलवाने के लिए फिर से लंबी लाइनों में लग रहे हैं। यहां बाहर से पैसे देकर दवा ले रहे हैं।

इंटर्न भी खुद खरीद रहे ग्लव्स और मास्क: जन औषधि केंद्र पर एक इंटर्न मास्क खरीदने पहुंची। बातचीत में उसने बताया कि उन्हें ग्लव्स और मास्क जैसी बेसिक चीजें भी बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। जब पुराने सर थे तो मास्क रखे रहते थे, अब खुद खरीदना पड़ता है। मास्क और ग्लव्स के लिए सरकार तो पैसे देती है पर वो कहां जाते हैं किसी को पता नहीं है।

मरीजों का पैसा और समय दोनों खराब: गरीब और बीमार इंसान 10 रुपए में इलाज की मंशा से सुबह उठकर जल्दी अस्पताल आता है। लंबी लाइन में लगकर पर्ची कटाता है ताकि जल्दी से डॉक्टर से मिले और दवा लेकर घर जा सके।

दूरबीनों के माध्यम से दर्शकों ने देखा खगोलीय पिंड

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस में क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र के सहयोग से पहाड़ियों से तारामंडल अवलोकन विषय पर विशिष्ट खगोलीय अवलोकन कार्यक्रम हुआ। इसमें स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थियों, गृहणियों, परिवारों तथा खगोल विज्ञान के प्रति रुचि रखने वाले दर्शकों ने उन्नत दूरबीनों के माध्यम से खगोलीय पिंडों का अवलोकन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भोपाल के प्रधान क्यूरेटर एवं केंद्र प्रमुख, साकेत सिंह कौरव के मार्गदर्शन में, विशेषज्ञों राजेश रहांगडाले, राघव चोपकर एवं विवेक सिंह तोमर ने जनसमूह को खगोल विज्ञान की मूलभूत जानकारी, दूरबीनों के प्रकार, उनकी कार्यप्रणाली और खगोलीय पिंडों के विषय में जानकारी दी। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए ग्रहों के अवलोकन एवं रात्रिकालीन आकाश के अध्ययन से जुड़े अनेक रोचक तथ्यों की भी जानकारी दी। आकाश अवलोकन सत्र तीनदो दूरबीनों के माध्यम से संचालित किया गया। इन दूरबीनों से प्रतिभागियों ने चंद्रमा, शुक्र ग्रह, बृहस्पति तथा बृहस्पति के चार गैलीलियन उपग्रह देखे। कार्यक्रम का समापन देर रात्रि फीडबैक के साथ हुआ। संग्रहालय निदेशक प्रो. अमिताभ पाण्डे ने कहा कि एस्ट्रो-नाइट कार्यक्रम, संग्रहालय दिवस की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं स्मरणीय बनाने के लिए क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भोपाल के सहयोग की भी सराहना की। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. सूर्य कुमार पाण्डेय, सहायक क्यूरेटर, आयशा गराबाडू, संग्रहालय सहयोगी तथा आर्यन टेनवार, कनिष्ठ लिपिक ने किया गया। जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने बताया कि यह संग्रहालय वैज्ञानिक जागरूकता, सांस्कृतिक अधिगम एवं जनसहभागिता को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।

मेट्रो एंकर

एक जगह होंगे कलेक्टोरेट, कमिश्नर-आईजी दफ्तर, टेंडर जारी

पुराने सचिवालय में बनेगा नया प्रशासनिक कॉरिडोर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के कोहेफिजा स्थित ओल्ड सेक्रेटिएट में ही नया प्रशासनिक कॉरिडोर बनेगा। जिसमें कलेक्टोरेट, कमिश्नर और आईजी कार्यालय होंगे। इसके टेंडर की प्रक्रिया भी हो गई है। हाउसिंग बोर्ड ने मौजूदा कलेक्टोरेट परिसर में ही नए कंपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव हब के निर्माण का आधिकारिक टेंडर जारी कर दिया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय अड़चनों में फंसा प्रोफेसर कॉलोनी वाला पुराना प्रस्ताव भी समाप्त हो गया है। अब ओल्ड सेक्रेटिएट परिसर ही भोपाल का नया प्रशासनिक कॉरिडोर बनेगा, जहां कलेक्टोरेट, कमिश्नर और आईजी कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे। इस निर्माण के बदले चयनित डेवलपर को पुराने

सचिवालय परिसर में 3.36 हेक्टेयर जमीन कंपेसेटरी लैंड पार्सल (सीएलपी) के रूप में मालिकाना हक के साथ दी जाएगी। इस जमीन का मिक्स लैंड यूज रखा गया है, यानी यहां रेसीडेंशियल और कमर्शियल हाईराइज प्रोजेक्ट विकसित किए जा सकेंगे। प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 217.96 करोड़ रुपए है, जबकि बदले में दी जाने वाली जमीन की कीमत 256.92 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह पूरा मॉडल राज्य सरकार की री-डेंसिफिकेशन नीति के तहत लागू किया जा रहा है, ताकि सरकारी खजाने पर सीधा वित्तीय बोझ न पड़े।

एक परिसर में होंगे 3 बड़े दफ्तर

प्रोजेक्ट के तहत जी+7 कंपोजिट ऑफिस बिल्डिंग बनाई जाएगी, जिसमें कलेक्टर कार्यालय, संभागायुक्त कार्यालय और आईजी कार्यालय संचालित होंगे। इसके अलावा जी+2 मल्टीलेवल पार्किंग बनाई जाएगी, जिसमें 80 ईसीएस क्षमता रहेगी। परिसर में संप वेल, बिजली सब-स्टेशन और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

3 हिस्सों में बांटी डेवलपमेंट लैंड

डेवलपर को दी जाने वाली जमीन तीन हिस्सों में बांटी है। सीएलपी-1 सबसे बड़ा 2.15 हेक्टेयर का ब्लॉक होगा। 0.63 हेक्टेयर और 0.58 हेक्टेयर के दो अन्य पार्सल भी शामिल किए गए हैं।

लघुकथा के लेखन में आलोचना जरूरी - चौरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

साहित्य सृजन में जहां प्रशंसा अच्छा लिखने की प्रेरणा देती है वही आलोचना लेखन में निखार लाती है। लेखन में यथार्थ और कल्पना के मध्य संतुलन ज़रूरी होता है। लेखक पाठकों को ऐसे अपनी बात परोसे कि वह उसके गले उतर जाये।

यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार मनमोहन चौरे के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित ऑन -लाइन साप्ताहिक बुधवारीय गूगल गोष्ठी के आयोजन में अंजू निगम के लघुकथा पाठ पर आयोजित विमर्श में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। इस आयोजन में अंजू निगम

ने ब्यौरा, अन्न, नया दौर, मन्नत और पॉकेट मनी लघुकथाओं का पाठ किया। इन विविध विषयी समसामयिक लघुकथाओं पर डॉ आदर्श प्रकाश, अनिल कुमार, संदीप तोमर, नितिन उपाध्याय ने अपनी संक्षिप्त किन्तु महत्वपूर्ण टिप्पनियां प्रस्तुत की कार्यक्रम का संचालन अंजू खरबन्दा ने किया कार्यकम।

जिलों में एडीएम के पद खाली, अधिकारियों को नहीं मिल रहा मौका

अफसरों की पदस्थापना का संतुलन नहीं बना पा रही सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के सीनियर अफसरों को अपर कलेक्टर पद पर पदस्थ करने के मामले में राज्य सरकार संतुलन नहीं बना पा रही है। लोकसभा चुनाव के पहले से पोस्टिंग का बिगड़ा तालमेल अब तक पटरी पर नहीं आ पाया है। इसका असर यह है कि करीब 20 जिलों में अपर कलेक्टर के पद रिक्त हैं। नियमित अधिकारी की पोस्टिंग नहीं होने से एक ओर जिलों की प्रशासनिक व्यवस्था पर असर पड़ रहा है तो दूसरी ओर मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालयों में अवर सचिव की जिम्मेदारी निभा रहे युवा अफसरों में गुस्सा भी है कि सरकार उनसे फील्ड का काम नहीं ले रही है।

राज्य शासन द्वारा प्रदेश के बड़े जिलों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर में दो से तीन अपर कलेक्टर की पदस्थापना की जाती है। यहां कलेक्टर कार्यालय में इतने पद स्वीकृत भी हैं लेकिन इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में यह पद रिक्त बताए जा रहे हैं। इसके अलावा छोटे जिलों में भी अपर कलेक्टर के पद पर पोस्टिंग नहीं होने से कलेक्टरों को व्यवस्था संचालन के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपनी पड़ रही है।

एसडीएम कैडर के पद नहीं भरे गए- यही स्थिति संयुक्त कलेक्टर के पदों के मामले में भी है जिन्हें जिले में एसडीएम की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, इस कैडर के भी सभी पद नहीं भरे गए हैं। राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों ने कहा है कि सरकार अधिकारी होने के बाद भी फील्ड में पोस्टिंग न करके इस कैडर के अफसरों की ऊर्जा शक्ति का लाभ नहीं ले पा रही है। जिलों में सीईओ जिला पंचायत का पद भी राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों के लिए होता है, वहां सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के मुकाबले युवा आईएएस अफसर अधिक संख्या में तैनात किए हैं।

इन जिलों में खाली हैं अपर कलेक्टर के पद

जिन जिलों में अपर कलेक्टर के पद रिक्त बताए जा रहे हैं उसमें जबलपुर, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, सीहोर, शाजापुर, बड़वानी, बुरहानपुर, ग्वालियर, छतरपुर, निवाड़ी, इंदौर के अलावा आठ अन्य जिले शामिल हैं। इन सभी जिलों में राज्य प्रशासनिक सेवा के अपर कलेक्टर की पोस्टिंग नहीं किए जाने के कारण कलेक्टरों को प्रभार के सहारे व्यवस्था संचालित करनी पड़ रही है।

नए सिलेक्ट युवाओं की भी मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालयों में पोस्टिंग

अभी जो पोस्टिंग है उसमें पीएससी से चुने गए नए युवाओं को भी फील्ड में पदस्थ करने के बजाय मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालयों में पदस्थ रखा है। बताया जाता है कि वर्तमान में अधिकांश युवा अफसर मंत्रालय में अवर सचिव, ओएसडी बनकर फाइलों के निराकरण में लगे हैं। इस कारण उनमें व्यवस्था के प्रति गुस्सा भी है। ऐसे युवा अफसरों का कहना है कि जिलों में डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, अपर कलेक्टर और संयुक्त कलेक्टर की जिम्मेदारी निभा रहे कई सीनियर अफसर मंत्रालय में पदस्थ किए जा सकते हैं लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और कम अनुभवी अफसरों को फील्ड में मौका नहीं दिया जा रहा है। पूर्व में एसआईआर के कार्य के कारण स?थानांतरण नहीं करने का सरकार का बहाना था और अब जबकि ऐसी कोई स्थिति नहीं है तो भी पदस्थापना नहीं की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले गूगल क्लाउड इंडिया के पदाधिकारी

इंदौर में स्थापित होगा एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, डेवलपर्स को मिलेगा प्रशिक्षण

सिंहस्थ-2028 के लिए एआई आधारित ट्रैफिक और आपात सेवा प्रणाली पर हुई चर्चा

कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और जन-सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकसित होंगे एआई आधारित समाधान केन्द्र

एआई आधारित नवाचारों और डिजिटल तकनीक से सशक्त होगा सुशासन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को मंत्रालय में गूगल क्लाउड इंडिया के पदाधिकारियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पदाधिकारियों के साथ प्रदेश में प्रशासनिक दक्षता संवर्धन, एआई आधारित सुशासन और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में एआई आधारित तकनीकी सहयोग के संबंध में राउंड टेबल मीटिंग की। मीटिंग में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एम. सेल्वेन्द्रन, गूगल क्लाउड इंडिया के निदेशक (पब्लिक सेक्टर) आशीष वत्तल, एपीएसी क्षेत्र के निदेशक मदन ओबरॉय, पंकज शुक्ला, लोकेश लोहिया, डॉ. श्रुति गाडगिल, विजय गुंजाटे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव मंडलोई ने बताया कि राज्य सरकार और गूगल क्लाउड इंडिया के बीच एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोग स्थापित किया जा रहा है। इसमें इंदौर में सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए शीघ्र ही एमओयू होगा। यह सेंटर एआई आधारित नवाचार, अनुसंधान, स्किल डेवलपमेंट और तकनीकी समाधान विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा। सेंटर से 10 हजार से अधिक एआई डेवलपर्स को जोड़ा जाएगा, जो मध्यप्रदेश सहित देश और साउथ ग्लोबल की आवश्यकताओं के अनुरूप रियल टाइम तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएंगे।

विभागों में एआई आधारित समाधान किए जा रहे विकसित

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के पश्चात हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में गूगल क्लाउड इंडिया ने समृद्ध मध्यप्रदेश की अवधारणा के अनुरूप एआई आधारित विकास और सुशासन के लिए एक विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। बैठक में सिंहस्थ-2028 को स्मार्ट और तकनीक-सक्षम आयोजन के रूप में विकसित करने पर विशेष चर्चा हुई। गूगल द्वारा प्रस्तुत एआई फ्रेमवर्क में रियल टाइम भीड़ प्रबंधन, प्रेडिक्टिव ट्रैफिक एवं सुरक्षा विश्लेषण, एआई आधारित इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम और डिजिटल ट्विन मॉडल जैसी अत्याधुनिक व्यवस्थाएं शामिल हैं। बैठक में सहायक नामक बहुभाषीय एवं वॉइस-सक्षम एआई एप्लिकेशन की अवधारणा भी प्रस्तुत की गई, जो सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को भीड़ की स्थिति, मार्गदर्शन, ट्रैफिक व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की रियल टाइम जानकारी स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराएगा। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आयोजन प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार होगा। गूगल क्लाउड इंडिया के पदाधिकारियों ने बताया कि एआई समिट के दौरान मध्यप्रदेश शासन से मिले अभूतपूर्व समर्थन और सहयोग से गूगल क्लाउड द्वारा राज्य की प्राथमिकताओं अनुसार कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, महिला एवं बाल विकास और अन्य विभागों में एआई आधारित समाधान विकसित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में ओजस एआई फ्रेमवर्क के माध्यम से दूरस्थ क्लीनिकल निर्णय सहायता, उच्च जोखिम गर्भावस्था की पूर्व पहचान और रियल टाइम स्वास्थ्य डैशबोर्ड विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया।कृषि क्षेत्र में किसानों को स्थानीय सलाह, बाजार मूल्य जानकारी एवं वित्तीय सेवाओं से जोड़ने के लिए जेमिनी संचालित ओपन एआई नेटवर्क विकसित करने की योजना प्रस्तुत की गई।

एआई सक्षम समाधानों पर हुई व्यापक स्तर पर चर्चा

बैठक में शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए संवादात्मक नागरिक सेवा प्लेटफॉर्म, स्वचालित शिकायत निवारण प्रणाली, इंटेलिजेंट डॉक्यूमेंट प्रोसेसिंग, एकीकृत नागरिक डेटा प्रणाली जैसे एआई सक्षम समाधानों पर भी चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त वन्य जीव संरक्षण और मानव-वन्य जीव संघर्ष कम करने के लिए कंप्यूटर विजन एवं रियल टाइम अलर्ट सिस्टम आधारित समाधान प्रस्तुत किए गए। गूगल ने प्रदेश में एआई फॉर ऑल卐 स्किलिंग कार्यक्रम, उन्नत क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर एवं एआई/एमएल आधारित पायलट परियोजनाओं, स्टार्ट-अप इको सिस्टम संवर्धन और साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में आगामी कार्य योजना, विभागवार प्राथमिकताओं, विस्तृत क्रियान्वयन रणनीति और नियमित समीक्षा तंत्र विकसित करने पर सहमति बनी। राज्य सरकार और गूगल ने इस साझेदारी को रणनीतिक विचार विमर्श से आगे बढ़ाकर जमीनी स्तर पर लागू करने और राज्यभर में नागरिक केंद्रित परिणाम सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। गूगल के साथ यह साझेदारी प्रदेश में एआई आधारित सुशासन, सेवा वितरण और समावेशी विकास को नई दिशा देगी।

94 हजार स्कूल बंद करने का भोपाल में विरोध

छोटे बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर किया जोरदार प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने के विरोध में प्रदर्शन हुआ। स्कूल बचाओ संघर्ष समिति और मूवमेंट अगेंस्ट अनएम्प्लॉयमेंट के बैनर तले नीलम पार्क में छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और अभिभावक जुटे। प्रदर्शन के दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद करने की तैयारी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश है। उनका कहना था कि इससे गरीब और ग्रामीण इलाकों के लाखों बच्चे पढ़ाई से दूर हो जाएंगे। स्कूल बचाओ संघर्ष समिति के सतीश ओझा ने कहा कि सरकारी स्कूल बंद होने से शिक्षा धीरे-धीरे निजी संस्थानों के हवाले हो जाएगी और पढ़ाई आम लोगों की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि गांवों और गरीब परिवारों के बच्चों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।उन्होंने कहा कि सांदीपनि स्कूल खुलने के बाद आसपास के 5 किलोमीटर क्षेत्र की कई स्कूलें बंद की जा रही हैं। भोपाल में भी कई स्कूल पहले ही बंद हो चुकी हैं, जिससे उन बच्चों की परेशानी बढ़ गई है जो दूर स्थित स्कूलों तक जाने में असमर्थ हैं या किसी कारणवश नियमित रूप से स्कूल नहीं पहुंच पाते। कई स्कूलों में अभी बस सुविधा भी उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण विद्यार्थियों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह समस्या और बढ़ सकती है, इसलिए इसका विरोध किया जा रहा है।

नीट पेपर लीक और एनटीए पर भी सवाल

प्रदर्शन के दौरान नीट पेपर लीक का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठाया गया। एमएयू भोपाल के सदस्य सोनू सेन ने कहा कि लाखों छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार पेपर लीक होने के बावजूद जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए को खत्म करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग भी की।

काल भैरव मंदिर में शुरू हुई नई दर्शन व्यवस्था

पांच सौ में मिलेगा सीधे प्रवेश वीआईपी के लिए भी सहूलियत

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

विश्व प्रसिद्ध बाबा कालभैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने नई दर्शन व्यवस्था लागू की है। अब श्रद्धालु 500 रुपये शुल्क देकर बाबा कालभैरव के गर्भगृह में सीधे प्रवेश कर शीघ्र दर्शन और पूजन कर सकेंगे। वहीं सामान्य श्रद्धालुओं के लिए पहले की तरह निशुल्क कतारबद्ध दर्शन व्यवस्था जारी रहेगी। एसडीएम एल.एन. गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि बाबा कालभैरव को भगवान महाकाल के कोतवाल और सेनापति के रूप में पूजा जाता है। मंदिर में प्रतिदिन 20 से 25 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, जबकि विशेष पर्वों पर यह संख्या एक लाख तक पहुंच जाती है। लंबे समय से श्रद्धालुओं की मांग थी कि शीघ्र दर्शन की अलग व्यवस्था बनाई जाए। नई व्यवस्था के तहत 500 रुपये की रसीद कटवाने वाले श्रद्धालुओं को सीधे गर्भगृह तक ले जाया जा रहा है, जहां विधिवत पूजन-अर्चन के बाद दर्शन कराए जा रहे हैं। वहीं सामान्य श्रद्धालु पहले की तरह लाइन में लगकर निशुल्क दर्शन कर रहे हैं।

इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल श्रद्धालुओं को सुविधा देना ही नहीं, बल्कि मंदिर परिसर में सक्रिय बिचौलियों पर रोक लगाना भी है। कालभैरव मंदिर की प्रशासक संध्या मार्कण्डेय के मुताबिक, कुछ शिकायतें मिल रही थीं कि प्रोटोकॉल और विशेष प्रवेश के नाम पर कुछ लोग श्रद्धालुओं से पैसे लेकर दर्शन करा रहे थे। अब अधिकृत रसीद व्यवस्था लागू होने से श्रद्धालुओं को पारदर्शिता मिलेगी और अवैध वसूली पर भी लगाम लगेगी।

महाकाल मंदिर की तर्ज पर शुरू हुई व्यवस्था

महाकाल मंदिर में पहले से ही विभिन्न दर्शन और आरती व्यवस्थाएं सशुल्क संचालित हैं। भस्म आरती में प्रवेश के लिए प्रति श्रद्धालु 200 रुपये शुल्क लिया जाता है। वहीं संध्या और शयन आरती के लिए 250 रुपये ऑनलाइन शुल्क निर्धारित है। शीघ्र दर्शन व्यवस्था भी 250 रुपये में उपलब्ध है। इसी तर्ज पर अब कालभैरव मंदिर में भी प्रोटोकॉल दर्शन की सुविधा लागू की गई है, हालांकि यहां शुल्क 500 रुपये रखा गया है। नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु 500 रुपये का टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से दर्शन कर सकेंगे। टिकट मंदिर परिसर के बाहर बने काउंटर से सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। मंदिर प्रशासन के अनुसार फिलहाल यह व्यवस्था ऑफलाइन शुरू की गई है, जिसे जल्द ही ऑनलाइन भी किया जाएगा।

11 हजार से अधिक बच्चों को मिला मनचाहे विद्यालयों में निशुल्क प्रवेश मिला

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी की प्रकिया संपन्न हो गई। इसमें 11 हजार 485 बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश मिला। इस लॉटरी प्रक्रिया में उन बच्चों को शामिल किया गया था, जिन्हें प्रथम चरण की लॉटरी में उनकी पसंद के स्कूल आवंटित नहीं हो सके थे। द्वितीय चरण की लॉटरी में बच्चों को उनकी चुनी गई वरीयता के आधार पर निजी विद्यालयों में सीट का आवंटन 20 मई को ऑनलाइन लॉटरी की स्वचालित कंप्यूटर प्रक्रिया द्वारा किया गया। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया गया।

एक साल में 3 लाख से ज्यादा घट गए पीएम किसान योजना के लाभार्थी

पांच साल में किसानों की संख्या में बड़ी गिरावट

भोपाल , दोपहर मेट्रो

प्रदेश में पीएम किसान सम्मान निधि योजना से किसानों का दायरा तेजी से सिमट रहा है। एक तरफ फरवरी तक 80235 किसानों की ई-केवाईसी लंबित रही और 1.87 लाख से अधिक किसानों के बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हो पाए।

वहीं दूसरी तरफ एक साल में योजना के लाभार्थियों की संख्या 3 लाख से ज्यादा घट गई।2024-25 में जहां 86.49 लाख किसानों को योजना का लाभ मिला था, वहीं 2025-26 में यह संख्या घटकर 83.01 लाख रह गई। पिछले पांच साल में यह सबसे बड़ी गिरावट है। योजना के अंतर्गत वर्ष 2021-22 में 85.44 लाख, 2022-23 में 85.42 लाख और 2023-24 में 83.18 लाख किसानों ने योजना का लाभ लिया था। ई-केवाईसी लंबित होने या बैंक खाते आधार से लिंक नहीं होने के कारण हजारों किसानों की किस्त अटक रही है या भुगतान नहीं हो पा रहा है। 11 से 13वीं किश्त तक तेजी से घटी थी किसानों की संख्या पीएम किसान योजना में एक समय ऐसा भी आया, जब किसानों की संख्या तेजी से घटी। 10वीं किश्त के समय जहां मप्र में योजना का लाभ लेने वाले किसानों की संख्या 84.52 लाख थी। वहीं ये 11वीं किश्त में घटकर 83.48 लाख, 12वीं किश्त में 81.59 लाख और 13वीं किश्त में 71.44 लाख तक पहुंच गई। हालांकि इसके बाद 18वीं किश्त से किसानों की संख्या वापस बढ़ी जो 19वीं किश्त आते आते 85 लाख को पार कर गई। 20 और 21वीं किश्त में फिर गिरावट आई।

सागर और शिवपुरी में सबसे ज्यादा लाभार्थी

प्रदेश में पीएम किसान योजना के सबसे ज्यादा लाभार्थी सागर और शिवपुरी जिलों में हैं। सागर में 2.87 लाख और शिवपुरी में 2.72 लाख किसान योजना से जुड़े हैं। इसके बाद छतरपुर में 2.47 लाख, बैतूल और राजगढ़ में 2.34-2.34 लाख, मुरैना में 2.23 लाख, धार में 2.19 लाख, विदिशा में 2.18 लाख और मंदसौर में 2.01 लाख किसान लाभ ले रहे हैं। सबसे कम 46,789 किसान बुरहानपुर में हैं। भोपाल में 55,134 और हरदा में 59,212 किसान योजना का लाभ ले रहे हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को हर साल 6 हजार रुपए सीधे बैंक खातों में दिए जाते हैं। लेकिन प्रदेश में ढाई साल में 9,366 किसानों ने स्वेच्छा से योजना का लाभ लेना बंद कर दिया।

दोपहर मेट्रो

जल संचय के लिए बनाए गए तीन लाख स्ट्रक्चर

प्रदेश में पहले व देश में दूसरे स्थान पर डिंडौरी ने बनाई जगह

जबलपुर/डिंडौरी , दोपहर मेट्रो

जबलपुर के आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले में नागरिकों ने पानी की एक-एक बूंद को सुरक्षित करने के लिए 'जल संचय से जन भागीदारी' अभियान के तहत लगभग तीन लाख स्ट्रक्चर तैयार किए हैं। आदिवासी बाहुल्य जिला होने के बावजूद लोगों ने जल संरक्षण के भविष्यगामी परिणामों को समझते हुए इस अभियान को केवल सरकारी योजना न मानकर जन आंदोलन का स्वरूप दिया। इसका उद्देश्य पानी का संरक्षण कर धरती के जलस्तर में बढ़ोतरी करना है। इस अभियान में डिंडौरी जिला प्रदेश में प्रथम और देश में दूसरे स्थान पर है।

आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले में जिला प्रशासन ने जल संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए जल चौपाल, जागरूकता अभियान, कलश रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम नागरिकों को जागरूक किया। लोगों ने पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझते हुए इस अभियान को चुनौती के रूप में स्वीकार किया। सीमित संसाधनों के बावजूद जनसहयोग से जल और पौधों के संरक्षण का प्रभावी मॉडल तैयार किया गया।

जल संरक्षण के लिए शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए गए। परिसरों में सोकपिट निर्माण कर जल संचयन को बढ़ावा दिया गया। विद्यालय और छात्रावास परिसरों में किचन गार्डन गतिविधियां शुरू की गईं। रसोई और स्नानागार से निकलने वाले पानी को नालियों के माध्यम से पौधों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। जहां पाइपलाइन या जल निकासी संभव नहीं थी, वहां घड़ों और प्लास्टिक की बोतलों के माध्यम से ड्रिप इरिगेशन व्यवस्था विकसित की गई। 'एक बगिया मां के नाम' योजना के तहत साढ़े तीन हजार फलदार पौधों का रोपण किया गया। स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने प्रत्येक पौधे तक पानी पहुंचाने के लिए अनुपयोगी प्लास्टिक की बोतलों और घड़ों के माध्यम से

पौधों की सिंचाई के लिए विशेष संरचनाएं बनाई गई

जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने बताया कि जल संचय अभियान में डिंडौरी जिला प्रदेश स्तर पर प्रथम और देश स्तर पर दूसरे स्थान पर रहा। जल संचय जनभागीदारी अभियान के तहत जिले में 2,98,456 स्ट्रक्चर बनाए गए हैं। इनमें डगवेल रिचार्ज 7,146, हैंडपंप रिचार्ज 2,048, रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग 14,613, कंटूर ट्रेंच 32,561, गली प्लग 12,777, गेबियन 1,634, परकोलेशन टैंक 1,246, खेत तालाब 9,941, तालाब 890, चेक डैम 6,146, रिचार्ज पिट 41,646, बोरी बंधान 3,441, ड्रिप इरिगेशन 3,150 तथा मटका सिंचाई पद्धति से 35 हजार पौधों की सिंचाई के लिए विशेष संरचनाएं बनाई गई हैं। उन्होंने बताया कि डिंडौरी जिले की मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता बहुत कम है, जिसके कारण यहां किसान सामान्यतः एक ही फसल ले पाते हैं। गेहूं और धान की पैदावार भी कम होती है तथा किसान मुख्य रूप से कोदो-कुटकी की खेती करते हैं।

ब्रिक्स का शक्ति प्रदर्शन

सितंबर में भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के शामिल होने की संभावना है। यह दौरा वैश्विक राजनीति, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और भारत-रूस-चीन संबंधों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सितंबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत आएंगे। माना जा रहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इस दौरान दिल्ली आ सकते हैं। इन दोनों नेताओं का दौरा ब्रिक्स की अहमियत को फिर से स्थापित करने वाला है। साथ ही, हाल में दुनिया जिस तरह से बदली है, उसे देखते हुए यह इनके आपसी रिश्तों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

पुतिन पिछले साल दिसंबर में भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के लिए भारत आए थे। वहीं, शी का आखिरी दौरा 2019 में हुआ था। 2020 में गलवान के टकराव के बाद दोनों देशों के रिश्ते बिगड़ते चले गए। जब भारत-चीन में कूटनीतिक और सैन्य तनाव चरम पर था, तब भी ब्रिक्स ही प्रेशर रिलीज करने का जरिया बना। अक्टूबर 2024 में रूस में ब्रिक्स सम्मेलन के इतर पीएम नरेंद्र मोदी और शी की मुलाकात हुई थी। इसके बाद रिश्ते सामान्य करने के लिए कई कदम उठाए गए।

ब्रिक्स की अहमियत अब इसके सदस्य देशों से आगे पूरी दुनिया के लिए है। पश्चिम एशिया संकट की वजह से जो अस्थिरता आई है, उसे संभालने में यह मंच अहम भूमिका निभा सकता है। इसी महीने दिल्ली में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत ने इस दिशा में प्रयास भी किया, हालांकि कोई सहमति नहीं बन पाई। इस समय अध्यक्षता भारत के पास है और सितंबर में असहमतियों को दूर करने का सुनहरा मौका होगा।

एक समय भारत-चीन के बीच तल्खी, यूक्रेन युद्ध और ट्रंप की धमकियों की वजह से BRICS प्रासंगिकता खोता लग रहा था। खासतौर पर ट्रंप नहीं चाहते कि यह मंच मजबूत हो, क्योंकि इससे उन्हें डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती मिलती दिख रही है। लेकिन, ट्रंप फिलहाल आक्रामक रुख अपनाने की स्थिति में नहीं दिख रहे। रूस के प्रति वह नरम पड़ चुके हैं और चीन से दोस्ती को बेकरार हैं। BRICS के उभरने का यह बिल्कुल सही समय है।इससे किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

डॉ. हेडगेवार और गुरुजी : राष्ट्र-निर्माण एवं हिंदू संगठन का वैचारिक आधार

कैलाश चन्द्र
स्तंभकार

भारत का राष्ट्र-चेतना-विमर्श केवल राजनीतिक संघर्ष की कहानी नहीं; यह समाज की आत्मा, संस्कृति और संगठन को पुनर्जीवित करने की एक सदी-लंबी प्रक्रिया है। इस पुनर्जागरण के दो अनिवार्य स्तंभ डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार और गुरुजी माधवराव गोलवलकर ने इस प्रक्रिया को वैचारिक गहराई, संगठनात्मक दिशा और दीर्घकालिक दृष्टि प्रदान की। दोनों की राष्ट्र दृष्टि का मूल केंद्र था एक संगठित, संस्कारित और आत्मसम्मान सम्पन्न समाज का निर्माण, जो विश्व-मानवता के लिए भी एक नैतिक विकल्प प्रस्तुत कर सके।

डॉ. हेडगेवार का राजनीतिक प्रवास कांग्रेस से आरम्भ हुआ। 1916-1920 के बीच वे कांग्रेस की विभिन्न समितियों व प्रस्ताव-विचार प्रक्रियाओं में सक्रिय रहे। नागपुर कांग्रेस (1920) में पूर्ण स्वराज्य को कांग्रेस का आधिकारिक लक्ष्य बनाने का उनका प्रयास उस समय के नेतृत्व को अत्यधिक 'राष्ट्रवादी' प्रतीत हुआ। यही वह ऐतिहासिक क्षण था, जब हेडगेवार को यह स्पष्ट हुआ कि भारत की स्वतंत्रता केवल राजनीतिक लक्ष्य नहीं; यह एक राष्ट्रीय पुनर्जागरण है, जिसके लिए समाज का जागरण और संगठन अनिवार्य है।

उनके अनुसार स्वतंत्रता की अवधारणा त्रिस्तरीय थी
(1) राजनीतिक मुक्ति विदेशी शासन से निजात
(2) मानसिक मुक्ति दासता, भय और आन्तरिक विभाजनों से मुक्ति
(3) सामाजिक मुक्ति एक अनुशासित, आत्मनिर्भर और संगठित समाज की स्थापना

वे स्पष्ट कहते थे, 'जब समाज असंगठित होता है, तभी बाह्य सत्ता उसे गुलाम बना पाती है।' यह दृष्टि बाद में संघ-स्थापना का केंद्र-बिंदु बनी, जिसमें स्व-आधारित राष्ट्रीय तंत्र स्व-शिक्षा, स्व-भाषा, स्व-धर्म और स्वावलंबी अर्थनीति को स्वराज्य का वास्तविक आधार माना गया। हेडगेवार की वैश्विक चिंता केवल भारत-सीमित नहीं थी। वे यूरोपीय पूंजीवाद को मानवता के लिए संकट बताते हुए कहते थे कि यह मनुष्य को व्यक्तित्व नहीं, उपकरण बनाता है। भारत का मार्ग मानवता को इससे बचाने का विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। इस प्रकार उनके चिंतन में भारत की स्वतंत्रता= विश्व को एक संतुलित, समन्वयी और नैतिक दिशा देने का अवसर था।

गुरुजी : हिंदू संगठन और विश्व-मानवता का सांस्कृतिक मॉडल: गुरुजी गोलवलकर ने हेडगेवार के विचारों को एक व्यापक सांस्कृतिक और वैश्विक आयाम दिया। उनका मानना था कि हिंदू जीवन-दर्शन केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए एकात्मता और सामंजस्य का मार्ग है। उनके अनुसार हिंदू समाज को तीन बुनियादी आवश्यकताएँ पूरी करनी होंगी-

(1) संरक्षण- मंदिर, तीर्थ, शिक्षण-परंपरा, परिवार, संस्कार ये सब राष्ट्रीय चेतना के आधार-स्तंभ हैं। इन्हें सुरक्षित रखा जाये बिना समाज की आत्मा सुरक्षित नहीं रह सकती। (2) मौलिकता- गुरुजी पश्चिमी अंधानुकरण से सावधान करते थे। उपभोक्तावाद के स्थान पर संयम, धर्महीन आधुनिकता के स्थान पर मूल्यनिष्ठ शिक्षा और मानव-केंद्रित प्रगति पर उनका आग्रह था। (3) जीवन्तता- उनके अनुसार धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं बल्कि आचरण, कर्तव्य, परिवार और पुरुषार्थ का एक व्यवहारिक ढाँचा है। समाज जब इन सिद्धांतों को व्यवहार में लाता है, तभी वह सशक्त बनता है। गुरुजी ने 'हिंदूराष्ट्र' की अवधारणा को राजनीतिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रीयता के रूप में परिभाषित किया। यह न किसी प्रभुत्व का विचार है, न किसी धार्मिक राज्य का। यह समान राष्ट्रीय स्मृति, समान कर्तव्य-भाव और सामाजिक समरसता पर आधारित समाज-केंद्रित राष्ट्रीयता है।

दोनों का साझा लक्ष्य : संगठित, संस्कारित और दीर्घकालीन राष्ट्र-निर्माण: डॉ. हेडगेवार और गुरुजी की दृष्टि में भारत के पुनरुत्थान का मूल मंत्र था एक जागरुक, निर्दोष, संगठित और सुदीर्घ समाज। जागरुक समाज यानी जिसके पास इतिहास-बोध, संस्कृति-बोध, कर्तव्य-बोध और चुनौतियों का विवेकपूर्ण विश्लेषण हो। निर्दोष नागरिक- जो चरित्र, अनुशासन और नैतिकता में उच्च हो। दोनों कहते थे, 'चरित्र-निर्माण ही राष्ट्र-निर्माण का प्रथम सोपान है।' वहीं, संगठित समाज- हेडगेवार का सूत्रः 'व्यक्ति जोड़ो राष्ट्र स्वयं जुड़ जाएगा।' गुरुजी का संकल्पः 'संगठन संख्या नहीं मन का एकत्व है।' दोनों के अनुसार राष्ट्र-निर्माण त्वरित प्रक्रिया नहीं; यह धैर्य, तप, निरंतर सेवा और सतत संस्कारों का विषय है।

भारत का स्वाभाविक लक्ष्य : 'परम वैभव': संघ के चिंतन में 'परम वैभव' का अर्थ किसी भौतिक सामर्थ्य तक सीमित नहीं। यह है सांस्कृतिक समृद्धि, ज्ञान-विज्ञान का उत्कर्ष, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, चरित्रवान नागरिक, विश्व-मानवता के लिए आध्यात्मिक व नैतिक नेतृत्व। दोनों महापुरुषों का विश्वास था कि भारत का उदय विश्व में सामंजस्य, संतुलन और शांति की स्थापना का मार्ग बनेगा। क्योंकि भारत का दर्शन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' आज की विभाजित, उपभोक्तावादी और तनावग्रस्त विश्व-व्यवस्था के लिए एक शाश्वत समाधान है।

भारत का पुनर्जागरण समाज से राष्ट्र तक: डॉ. हेडगेवार और गुरुजी ने यह स्पष्ट किया कि स्वतंत्रता केवल सत्ता-परिवर्तन नहीं; यह मनुष्य, समाज और संस्कृति तीनों की पुनर्रचना है। उनकी दृष्टि में-

स्वराज्य = स्व-आधारित व्यवस्था
संगठन = राष्ट्र-शक्ति का मूल स्त्रोत
हिंदूराष्ट्र = सांस्कृतिक राष्ट्रत्व
भारत का उदय = विश्व-मानवता का नैतिक नेतृत्व

इसी दृष्टि से संघ दो महत्वपूर्ण कार्य-मार्ग निर्धारित करता है- 'सर्वेषां अविरोधेन' समाज के प्रत्येक घटक के साथ सामंजस्य, समन्वय और अविरोध का भाव। संगठन का विस्तार किसी के विरोध से नहीं बल्कि सभी के साथ संवाद, सद्भाव और सहभागिता से। 'बहुमत से नहीं, सहमति से निर्णय' संघ में निर्णय संख्या बल से नहीं बल्कि सर्वसम्मति, निरहंकार चर्चा और साझा समाधान की भावना से किए जाते हैं। वस्तुतः यही दो सिद्धांत संघ को मात्र संगठन नहीं बल्कि राष्ट्रजीवन में सकारात्मक परिवर्तन की सतत साधना बनाते हैं। त्यांच्या चिंतन में निहित यह संदेश सदैव प्रासंगिक रहेगा, 'जब समाज जागता है राष्ट्र उठ खड़ा होता है; जब राष्ट्र उठता है विश्व को दिशा मिलती है।'

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बदलते फैशन, बदलती सोच और मतभेदों के साथ समाज की असली चिंता

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

समाज में समय के साथ बहुत कुछ बदलता है। भाषा बदलती है, रहन-सहन बदलता है, तकनीक बदलती है और पहनावा भी बदलता है। हर युग की अपनी पहचान होती है। कभी घूँघट और साड़ी को आदर्श माना गया, फिर सलवार-सूट सामान्य हुआ, उसके बाद जींस और आधुनिक परिधान युवाओं की पसंद बने। आज सोशल मीडिया और वैश्विक संस्कृति के प्रभाव से फैशन लगातार नए रूप ले रहा है। ऐसे में स्वाभाविक है कि समाज में इस बदलाव को लेकर चर्चा भी हो और मतभेद भी।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्टर तेजी से वायरल हुआ जिसमें महिलाओं के पहनावे में आए बदलाव को 'संस्कारों की हार' और 'नग्न होती नारी' जैसे शब्दों से जोड़ा गया। पोस्टर में 1980 से 2025 तक के फैशन परिवर्तन को दिखाकर यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि आधुनिकता ने भारतीय संस्कृति को कमजोर कर दिया है। यह विषय केवल कपड़ों का नहीं बल्कि समाज की सोच, मानसिकता, स्वतंत्रता, नैतिकता और स्त्री के प्रति दृष्टिकोण का भी है। इसलिए इस विषय पर गंभीर और संतुलित चर्चा आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना होगा कि पहनावा केवल शरीर ढँकने का माध्यम नहीं होता बल्कि यह संस्कृति, मौसम, सुविधा, पेशा, परिवेश और व्यक्तिगत पसंद का भी हिस्सा होता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग राज्यों की महिलाओं का पहनावा सदियों से भिन्न रहा है। कहीं साड़ी प्रमुख रही, कहीं घाघरा-चोली, कहीं मेखला, कहीं फुलकारी और कहीं सलवार-सूट। यदि परंपरा ही एकमात्र मानदंड होती, तो इतने विविध रूप कभी विकसित नहीं होते। इसका अर्थ स्पष्ट है कि समाज हमेशा बदलता रहा है और पहनावे में परिवर्तन कोई नई घटना नहीं है।

आज की युवा पीढ़ी ऐसे दौर में जी रही है जहाँ वैश्विक संस्कृति का प्रभाव पहले से कहीं अधिक है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, फिल्मों, वेब सीरीज और सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटे से मंच में बदल दिया है। फैशन अब महानगरों तक सीमित नहीं रहा बल्कि गाँवों और कस्बों तक पहुँच चुका है। ऐसे में युवाओं का नए पहनावे की ओर आकर्षित होना अस्वाभाविक नहीं है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब इस बदलाव को सीधे 'चरित्र', 'संस्कार' और 'नैतिकता' से जोड़ दिया जाता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग महिलाओं के कपड़ों को ही उनकी मर्यादा का पैमाना मानता है। यदि कोई लड़की आधुनिक कपड़े पहनती है तो उसके संस्कारों पर प्रश्न उठा दिए जाते हैं, जबकि वही समाज पुरुषों के पहनावे को इतनी कठोर दृष्टि से नहीं देखता। यह दोहरा मापदंड लंबे समय से हमारे समाज में मौजूद है। सवाल यह है कि क्या किसी व्यक्ति का चरित्र केवल उसके वस्त्र तय करते हैं? यदि ऐसा होता, तो अपराध कभी परंपरागत कपड़े पहनने वालों द्वारा नहीं किए जाते। वास्तविकता यह है कि नैतिकता मनुष्य के व्यवहार, सोच और कर्मों से निर्धारित होती है, न कि केवल उसके पहनावे से। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि आधुनिकता और अश्लीलता दोनों अलग बातें हैं। हर आधुनिक परिधान अश्लील नहीं होता और हर पारंपरिक वस्त्र संस्कारों की गारंटी नहीं देता। कई बार समाज अपनी असहजता को 'संस्कृति की रक्षा' का नाम देकर प्रस्तुत करता है। जबकि असली चुनौती कपड़ों से अधिक मानसिकता की है। यदि किसी महिला को सड़क पर असुरक्षा महसूस होती है, तो उसके पीछे कारण उसके वस्त्र नहीं बल्कि समाज के कुछ लोगों की विकृत सोच है। यह भी सच है कि फैशन उद्योग और सोशल मीडिया ने शरीर को प्रदर्शन की वस्तु की तरह प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। लाइक्स, फॉलोअर्स और वायरल होने की होड़ में कई बार लोग सीमाओं को भूल जाते हैं। बाजारवाद ने सुंदरता को एक उत्पाद बना दिया है। युवाओं पर आकर्षक दिखने का दबाव बढ़ा है। यह चिंता का विषय अवश्य है क्योंकि इससे आत्मविश्वास की जगह दिखावे की संस्कृति मजबूत होती है। परंतु इसका समाधान महिलाओं को दोष देना नहीं, बल्कि समाज में संतुलित और स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना है।

परिवार और शिक्षा की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि बच्चों को बचपन से ही सम्मान, समानता और संवेदनशीलता के संस्कार दिए जाएँ, तो वे किसी व्यक्ति को उसके कपड़ों से नहीं बल्कि उसके व्यक्तित्व से पहचानेंगे। लड़कों को यह सिखाना अधिक आवश्यक है कि महिलाओं का सम्मान करें, बजाय इसके कि लड़कियों को हर समय अपने पहनावे के लिए दोषी महसूस कराया जाए।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता और सहनशीलता रही है। हमारी सभ्यता ने हमेशा परिवर्तन को अपनाया है। कभी महिलाओं की शिक्षा का विरोध हुआ, फिर वही शिक्षा समाज की शक्ति बनी। कभी नौकरी करने वाली महिलाओं को गलत माना गया, आज वही महिलाएँ परिवार और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं इसलिए केवल बदलाव के आधार पर किसी चीज को गलत ठहराना उचित नहीं कहा जा सकता। हालाँकि इसका अर्थ यह भी नहीं कि समाज में मर्यादा और संतुलन का कोई महत्व नहीं रह गया। स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। हर व्यक्ति को अपने परिवेश, अवसर और सामाजिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। लेकिन यह निर्णय भय या दबाव से नहीं बल्कि समझ और आत्मसम्मान से होना चाहिए। संस्कार का अर्थ बंधन नहीं बल्कि विवेक है।

अंततः, बदलते फैशन को देखकर घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर पीढ़ी अपने समय के अनुसार जीवन जीती है। हमें केवल इतना सुनिश्चित करना है कि आधुनिकता के बीच मानवीय मूल्य कमजोर न हों। संस्कृति तब तक जीवित रहती है जब तक समाज में सम्मान, संवेदना और नैतिकता बनी रहती है। कपड़े बदल सकते हैं लेकिन यदि हमारी सोच संतुलित और मानवीय बनी रहे तो समाज कभी 'नग्न' नहीं होगा। असली संकट वस्त्रों का नहीं, दृष्टि का है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हमेशा स्वस्थ रहने के लिए पैदल चलें , स्पीड बदलने से उम्र लंबी होने का दावा

हेल्दी रहने के लिए पैदल चलना सबसे आसान तरीका है। यह आपके पूरे शरीर की फिटनेस को सही रखने में मदद करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके चलने की स्पीड से उम्र की लंबाई पर असर पड़ता है। लीसेस्टर बायोकेमिकल रिसर्च सेंटर की स्टडी ने पता लगाया कि तेज चलने वालों या धीमा चलने वालों में से कौन ज्यादा जीते हैं? इसी सेंटर की दूसरी रिसर्च इसके पीछे का कारण भी बताती है।

लीसेस्टर सेंटर की रिसर्च ने यूके बायोबैंक के 474,919 लोगों के चलने की आदत का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि तेज स्पीड से चलने की आदत वाले लोगों की संभावित उम्र धीमा चलने वालों के मुकाबले ज्यादा होती है। उन्होंने यह पता भी लगाया कि संभावित उम्र का शारीरिक वजन से ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी से गहरा नाता है। उन्होंने पाया कि जो अंडरवेट लोग धीमी स्पीड से चलते हैं, उनकी उम्र सबसे कम देखी जाती है। धीमा चलने वाले अंडरवेट पुरुषों की संभावित उम्र औसतन 64.8 साल और ऐसी अंडरवेट महिलाओं की औसतन उम्र 72.4 साल होती है।

इस रिसर्च के प्रमुख लेखक प्रोफेसर टॉम येट्स कहते हैं कि हमारा शोध यह साफतौर पर दिखाता है कि संभावित उम्र को देखने के लिए बॉडीवेट स्टेटस से ज्यादा बेहतर इंडिकेटर फिजिकल एक्टिविटी स्टेटस है। हमारा शोध लोगों को तेज चलकर अपनी उम्र बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। आपको बता दें कि यह शोध साल 2019 में प्रकाशित हुआ था।

2022 में कम्युनिकेशन बायोलॉजी पर प्रकाशित लीसेस्टर के दूसरे शोधकर्ताओं की रिसर्च तेज चलने और लंबी उम्र के कारण के बारे में बताती है। इसमें यूके बायोबैंक के 405,981 लोगों का अध्ययन किया गया। जिसमें पाया कि चलने की स्पीड हेल्थ के बारे में जानने का मजबूत संकेत है। अध्ययन में तेज गति से चलने वाले लोगों के ल्यूकोसाइट टेलोमेयर की लंबाई धीमा चलने वालों के मुकाबले ज्यादा मिली। इसी की वजह से उनकी संभावित उम्र में बढ़ोतरी का संबंध पाया गया।

टेमोमेयर और लंबी उम्र का रिश्ता: कई सारे शोधों के बाद टेलोमेयर को लाइफ एक्सपेक्टेंसी और उम्र संबंधी बीमारियों के साथ मजबूती से जोड़कर देखा गया। साइंस डायरेक्ट पर मौजूद शोध बताता है कि टेलोमेयर लीनियर क्रोमोजोमल डीएनए के आखिरी सिरे पर मौजूद कैप होती है। जो क्रोमोजोम को डैमेज होने से बचाती है और इनकी स्टेबिलिटी को बढ़ाती है। 100 साल से ज्यादा जीने वाले लोगों में टेलोमेयर की लंबाई कम उम्र में किसी बीमारी से मरने वाले लोगों की तुलना में अधिक पाई गई है।

निशाना

चेहरों पे चेहरे....!

कुमार अखिलेश

चेहरों पे चेहरे यहाँ लगाते है लोग,
असलियत अपनी छुपाते है लोग।
घूमते है लगाकर कितने ही नकाब,
होते है कुछ औ कुछ दिखाते है लोग।
हर कोई कर रहा है अभिनय यहां,
कितने ही किरदार निभाते है लोग।
चेहरे से करते खामोश लोगो को,
चेहरे से ही शोर यहाँ मचाते है लोग।
चेहरा दिखाकर ही करते है वादा,
फिर चेहरे से ही मुकर जाते है लोग।
चेहरे से ही बयाँ होती है शखूसियत,
चेहरे से ही खुद को जताते है लोग।
एक नकली चेहरे को आगे करके,
असली चेहरे को बचाते है लोग।
चेहरा आईना आपका चेहरा है पहचान,
इससे जग को हँसाते रुलाते है लोग।

न्यू स्कीम

एयरटेल लाया देश की पहली प्रायोरिटी पोस्टपेड सर्विस, ड्रॉप नहीं होंगे सिग्नल

एयरटेल ने भारत की पहली प्रायोरिटी पोस्टपेड सर्विस लॉन्च की है। आसान भाषा में समझाएं तो इस सेवा को लेने वाले एयरटेल ग्राहकों को अन्य ग्राहकों से बेहतर 5जी कनेक्टिविटी मिलेगी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी उनकी कॉल ड्रॉप नहीं होगी। फास्ट इंटरनेट चलता रहेगा। इसे संभव बनाने के लिए एयरटेल ने 5जी स्लाइसिंग तकनीक का उपयोग किया है।

कंपनी ने 5G स्लाइसिंग तकनीक का उपयोग करके नेटवर्क को अपग्रेड करने के बाद इस सेवा को लॉन्च किया है। इसमें ग्राहकों को ज्यादा अच्छी नेटवर्क कनेक्टिविटी मिलेगी। एयरटेल ने 5जी स्लाइसिंग को पोस्टपेड ग्राहकों के लिए पहले शुरू किया है और इसके रिचार्ज प्लान भी बताए हैं। कंपनी के अनुसार, इस सर्विस को उन ग्राहकों के लिए लाया गया है जो काम या एंटरटेनमेंट के लिए लगातार अच्छी कनेक्टिविटी चाहते हैं।

एयरटेल के अनुसार, उसने अपने मोबाइल नेटवर्क को इंटेलीजेंट और डायनेमिक तरीके से बांटकर एयरटेल के पोस्टपेड ग्राहकों को अधिक स्थिर, भरोसेमंद और लगातार बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने वाला नेटवर्क तैयार किया है। पिछले एक साल में अमेरिका, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम और मलेशिया जैसे कई देशों में स्लाइसिंग आधारित 5जी सेवाएं लॉन्च की गई हैं। कंपनी का कहना है कि यह स्मार्ट, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार डिजिटल नेटवर्क बनाने की दिशा में उसका निवेश है। एयरटेल प्रायोरिटी पोस्टपेड में स्विच करने के लिए ग्राहकों को Airtel App पर जाना होगा या किसी भी एयरटेल स्टोर से यह सुविधा ली जा सकती है।

कंपनी का कहना है कि एयरटेल का फोकस ऐसे सॉल्यूशंस पर है, जो ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाएं। प्रायोरिटी पोस्टपेड, 5जी स्लाइसिंग तकनीक से पावर्ड हमारा नया समाधान है। यह ग्राहकों को तेज, स्थिर और भरोसेमंद कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

इमेजिनरी वर्ल्ड

दुनिया का वो देश, जहां लिखी जाती है हर एक किताब, किसी भी नक्शे में नहीं है मौजूद!

दुनिया में किताबें पढ़ने वाले करोड़ों लोग हैं। हर कोई अपनी पसंदीदा किताब को बार-बार पढ़ता है और नई किताबों का इंतजार करता रहता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ये सारी किताबें आती कहां से हैं? एक अनोखा और मजेदार जवाब है- 'बुकलैंड'।

यह दुनिया का वो देश है जहां हर एक किताब लिखी जाती है। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि बुकलैंड किसी भी नक्शे, ग्लोब या गूगल मैप पर मौजूद नहीं है। बुकलैंड एक थियोरिटिकल यानी सैद्धांतिक देश है। यह वास्तविकता में नहीं बल्कि किताब प्रेमियों की कल्पना में बसता है। लेखकों, कवियों और कहानीकारों के अनुसार जब भी कोई नई कहानी, उपन्यास या ज्ञान की किताब लिखी जाती है तो उसका जन्म बुकलैंड में ही होता है। यहां कल्पना की कोई सीमा नहीं है। यहां विज्ञान, रोमांच, रहस्य, इतिहास, फंतासी - हर तरह की किताबें तैयार होती है।

क्यों बना बुकलैंड?: दरअसल, दुनिया की हर एक चीज के ऊपर एक बारकोड बना होता हैं। उसके आधार पर पता चलता है कि आइटम किस देश में बना है। हर देश का अपना यूनिक कोड होता है। लेकिन किताब के मामले में उसे एक देश का बताना उचित नहीं थ। ऐसे में एक्सपर्ट्स ने एक इमेजिनरी देश बुकलैंड बनाया और उसे एक कोड दे दिया। यही वजह है कि दुनिया की हर किताब के बारकोड में इसी देश का कोड इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में बड़ी समस्या सॉल्व हो गई, लेकिन ये देश असल में मौजूद नहीं है।

दशकों पुरानी अवधारणा : बुकलैंड की अवधारणा कई दशकों पुरानी है। किताब प्रेमी इसे 'दुनिया का सबसे अमीर देश' मानते हैं क्योंकि यहां ज्ञान का खजाना भरा पड़ा है। इस देश की राजधानी 'स्टोरीविले' है जहां लेखक अपनी कहानियों को आकार देते हैं। यहां की सड़कें शब्दों से बनी हैं, नदियां स्याही की बहती हैं और पहाड़ कागज के बने होते हैं। यह सब कल्पना है लेकिन किताबों के शौकीनों के लिए यह जिंदगी से भी ज्यादा सच्चा लगता है। कई प्रसिद्ध लेखकों ने अपनी किताबों में बुकलैंड का जिक्र किया है। वे कहते हैं कि जब वे लिखते हैं तो उन्हें लगता है कि कोई अदृश्य शक्ति उन्हें बुकलैंड से गाइड कर रही है। हर नई किताब बुकलैंड से निकलकर दुनिया के अलग-अलग देशों में पहुंचती है। यही वजह है कि चाहे आप भारत में हों, अमेरिका में हों या जापान में, आपकी पसंदीदा किताब कहीं ना कहीं बुकलैंड की देन होती है।

न्यूज विंडो

दवा विक्रेताओं ने मेडिकल स्टोर बंद कर पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। डिंडौरी जिले में ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों के मेडिकल स्टोर बंद रहे। दवा विक्रेताओं ने नायब तहसीलदार शैलेश गौर को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। दोपहर में आयोजित बैठक के बाद दवा विक्रेता संघ ने मेडिकल स्टोर बंद रखने का फैसला लिया। संघ का कहना है कि बिना नियंत्रण के ऑनलाइन दवा बिक्री जनस्वास्थ्य के लिए खतरा बनती जा रही है।

जीवन केवल सांस लेना नहीं, समझने की क्षमता ही सच्चा जीवन: विकास एलिया

गंजबासौदा। नई न्यायालय रजोदा रोड स्थित नागेश्वर पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में आयोजित कथा के पंचम दिवस पर कथा वाचक आचार्य पंडित विकास आनंद एलिया ने जीवन के वास्तविक अर्थ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य जीवन केवल उठना-बैठना, खाना-पीना और सो जाना नहीं है, बल्कि समझने और आत्मबोध की क्षमता ही सच्चा जीवन है। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि केवल भौतिक और जैविक क्रियाओं को ही जीवन समझता है तो यह अधूरा दृष्टिकोण है, क्योंकि आज के युग में ऐसे यंत्र और रोबॉट भी बनाए जा सकते हैं जो सांस लेने, चलने-फिरने, देखने-सुनने और सोचने जैसे कार्य कर सकें। लेकिन यंत्रों और मनुष्य में सबसे बड़ा अंतर समझ का है। आचार्य श्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि कैमरा सब कुछ रिकॉर्ड कर सकता है।

दमोह-सागर रोड पर कौरांसा टोल प्लाजा का मामला, दो टोलकर्मी घायल

भाजपा नेता से टोल कैसे मांगा, दो दर्जन लड़कों ने टोलकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर बेरहमी से पीटा

दमोह। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में दमोह-सागर रोड पर गढ़ाकोटा क्षेत्र के एक भाजपा नेता और उनके गुंडों ने टोल प्लाजा के कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। टोलकर्मियों की गलती सिर्फ इतनी थी कि उन्होंने भाजपा नेता से टोल का पैसा मांग लिया था। टोल पर हुई मारपीट और गुंडागर्दी की तस्वीरें वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई हैं। मामले में पुलिस ने एक नामजद सहित दो दर्जन के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार गढ़ाकोटा क्षेत्र के जनपद सदस्य मुकेश यादव भाजपा नेता व अन्य 2-3 वाहनों से गढ़ाकोटा से दमोह की ओर आ रहे थे। इसी दौरान कौरासा स्थित टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने टोल के लिए बैरियर लगा दिया और टोल मांगा। इतना सुनते ही पहले मुकेश यादव और दो अन्य ने टोल कर्मचारियों से अपशब्दों का प्रयोग किया, इसके बाद गाड़ी से उतरकर मारपीट शुरू कर दी। मारपीट शुरू होते ही सभी 12 से 15 लड़कों ने टोल के कर्मचारियों के साथ लाठी, पाइप, लात, घूसों से जमकर मारपीट की।

इस दौरान दौड़ा-दौड़ा कर टोलकर्मियों को पीटने की तस्वीरें भी सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई हैं। सीसीटीवी में मुकेश यादव और उनके गुंडे टोल पर कर्मचारी केबिन और परिसर में रखी कुर्सियां आदि तोड़ते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा वह कर्मचारियों का दौड़-दौड़ कर पीछा करते भी दिख रहे हैं। करीब 15 मिनट तक टोल पर चली इस गुंडागर्दी के बाद कुछ

कर्मचारियों ने खेत में भागकर अपनी जान बचाई, जबकि दो कर्मचारियों के साथ बेहतासा मारपीट की गई, जिसके बाद उन्हें गंभीर हाल में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में सागर नाका चौकी प्रभारी विक्रमसिंह दांगी ने बताया कि गढ़ाकोटा क्षेत्र के जनपद सदस्य मुकेश यादव और 15-16 अन्य लोगों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। रात में मामले की जानकारी लगते ही तत्काल थाना प्रभारी अमित गौतम के साथ जिला अस्पताल और मौके पर पहुंचकर जांच की गई थी। आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है, जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

घायल बोले-मारने को उतारू थे सभी

टोल पर काम करने वाले मदन सिंह परिहार और धीरेंद्र को गंभीर हाल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य को भी चोटें आई हैं। मदन सिंह परिहार ने बताया कि उन्होंने आम कार चालकों की तरह टोल मांगा था। इसके बाद मुकेश यादव, उज्जवल व अन्य ने पहले अपशब्द कहे, इसके बाद गाड़ियों से उतरकर बेरहमी से मारपीट की। टोल को आग लगाने और जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बाद हम सभी दशहत में हैं।

तापमान पहुंचा 42 के पार, बढ़ गई मरीजों की संख्या, लू व हीट स्ट्रोक के मरीज ज्यादा

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले का तापमान 42 डिग्री पार होने के साथ ही लू और हीट स्ट्रोक का प्रकोप लगातार जारी है, सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक चलने वाली गर्म हवाओं के थपेड़ों ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। वर्तमान में शासकीय व प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है जिसका सबसे प्रमुख कारण गर्मी का लगातार बढना़ है, जरा सी लापरवाही लोगों पर भारी पड़ सकती है, जिसके चलते संभलकर रहने की आवश्यकता है। गर्मी बढने़ के साथ ही उल्टी दस्त के मरीज बढ़ जाते है। वर्तमान में गर्मी के कारण फूड पाइजनिंग के मामले भी सामने आ रहे है। स्वास्थ्य विभाग ने भी पिछले दिनों लू तथा हीट स्ट्रोक को लेकर चेतावनी जारी की है तथा आने वाले दिनों में मौसम के खुलने के

साथ फिर तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की जाएगी।जिला अस्पताल में 10 बिस्तरों वाला एक विशेष हीट स्ट्रोक वार्ड बनाया गया है जहां पर मरीज भर्ती किए जा रहे है। यहां मरीज के पहुंचने पर डॉक्टर, स्टाफ और आवश्यक दवाइयों की इमरजेंसी व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। यहां पहुंचने वाले मरीजों को उपचार के साथ ही सावधानी बरतने की सलाह भी दी जा रही है।

बढ़ते तापमान में हाइड्रेटेड रहें, प्यास न लगने पर भी खूब पानी पिएं, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और ओआरएस का सेवन करें। समय का ध्यान रखें व दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच सीधी धूप में बाहर न निकलें। हल्के, ढीले और सूतीकपड़े पहनें। धूप में टोपी, चश्मा या छाते का प्रयोग करें। ठंडे वातावरण में रहें, हल्का भोजन करें। खीरा, तरबूज, खरबूजा जैसे पानी की मात्रा वाले फलों का सेवन करें। बासा व काफी लंबे समय पूर्व बना खाना खाने से बचना चाहिए, प्रतिदिन ताजा व पौष्टिक आहार लें।

जनसुनवाई के दौरान वितरित किए आर्थिक सहायता के चेक

सांसद नारोलिया ने भाजपा कार्यालय में आमजनों की समस्याएं सुन किया निराकरण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

संगठनात्मक व्यवस्था के अंतर्गत राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने बुधवार को जिला भाजपा कार्यालय नर्मदापुरम में जनसुनवाई की। सांसद ने करीब 3 घंटे यह जनसुनवाई की और आम लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान सांसद श्रीमती नारोलिया ने नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं से भी भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना एवं निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान सांसद ने सदर बाजार निवासी पप्पू परदेशी की असमय मृत्यु होने पर उनके परिवारजनों को अपने स्वेच्छा अनुदान से आर्थिक सहायता का चेक भी दिया। वहीं इच्छापूर्ति मंदिर समिति रसूलिया को मंदिर हेतु एक एलईडी टीवी सेट भी प्रदान किया। इस दौरान 15 से अधिक आवेदनों पर सांसद ने

सुनवाई की। भाजपा कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान भाजपा जिला महामंत्री कुंवर सिंह यादव , भाजपा मंडल अध्यक्ष रुपेश राजपूत , भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक महालहा , भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया , पार्षद दुर्गेश चौधरी , एल्डरमैन संतोष मीना , संजीव मालवीय, मनीष परदेशी , सुचित्रा यादव, जयबाला निगम , राहुल ठाकुर , सचिन तोमर , योगेंद्र सोलंकी , धर्मेंद्र जाट , वीरू पटवा , रहमान खान , ऋषभ शुक्ला , श्रीराम सगर , जसवीर बावरा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्त्ता व आम नागरिक उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा में पेट्रोल- डीजल को लेकर बढ़ी टेंशन, पेट्रोल पंपों पर लगी भीड़

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में पेट्रोल-डीजल संकट के हालात लगातार गहराते जा रहे हैं। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पंप संचालकों ने एहतियातन करीब 50 प्रतिशत मशीनें बंद कर दी हैं। इसका सीधा असर आम वाहन चालकों पर पड़ रहा है। पेट्रोल भरवाने के लिए लोगों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं कई पेट्रोल पंपों के ड्राय होने से पैनिक जैसी स्थिति बनती जा रही है।

शराब दुकानों के आसपास चल रही अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई, 2 पर केस दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर के निर्देश पर बुधवार रात इटारसी में शराब दुकानों के आसपास चल रही अवैध गतिविधियों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की। एसडीएम नीलेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में राजस्व व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने जबलपुर गेट, खेड़ा इटारसी क्रमांक-1, केसला और खेड़ा इटारसी क्रमांक-2 स्थित शराब दुकानों के आसपास चल रहे गुमटियों और ढाबों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुस्कान ढाबा में टीम ने कुछ लोगों को खुलेआम शराब का सेवन करते पाया। आबकारी अधिनियम की धारा 36(ए) के तहत मुस्कान ढाबा में खुलेआम शराब पीने वाले दो व्यक्तियों पर प्रकरण दर्ज किया

गया। वहीं, कई लोग टीम को देखकर मौके से भाग निकले। एसडीएम नीलेश कुमार शर्मा ने कहा कि शहर में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शराब दुकान संचालकों को चेतावनी दी कि यदि उनके प्रतिष्ठानों के आसपास शराबखोरी या अन्य अवैध गतिविधियां पाई गईं तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में ऐसे निरीक्षण और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

भोजशाला: हाईकोर्ट के आदेशों का होगा पालन

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई, बिना अनुमति किसी भी गतिविधि पर पूर्ण रोक

धार। दोपहर मेट्रो

भोजशाला परिसर को लेकर उच्च न्यायालय के आदेशों के परिपालन में जिला एवं पुलिस प्रशासन ने एडवायजरी जारी की है। प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों, धर्मगुरुओं, आगंतुकों और मीडिया प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे न्यायालय के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें और शहर में शांति व सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखें। प्रशासन की ओर से जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश और निर्देश पूरी तरह से बाध्यकारी हैं और इनका सख्ती से पालन कराया जाएगा। भोजशाला परिसर में न्यायालय के निर्देशों के विपरीत या बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की गतिविधि पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। यदि कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ तुरंत और सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला और पुलिस प्रशासन ने असामाजिक तत्वों को चेतावनी दी है

कि सोशल मीडिया या किसी अन्य संचार माध्यम से भ्रामक, भड़काऊ, अप्रमाणित या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली सामग्री प्रसारित न करें। ऐसा करने वालों पर साइबर सेल और पुलिस की कड़ी नजर है। इसके साथ ही, मीडिया प्रतिनिधियों से भी आग्रह किया गया है कि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ तथ्यात्मक रिपोर्टिंग करें और किसी भी प्रकार की उत्तेजक या भ्रामक खबरों के प्रसारण से बचें। कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए भोजशाला परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। क्षेत्र की सतत निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो सके।

मेट्रो एंकर

अकेलेपन और टीवी की लत ने छीना था सुध-बुध

डिप्रेशन का शिकार होकर घर वालों से बिछड़ गई थी बैंगलोर की अनुराधा, छतरपुर की संस्था ने 3 साल बाद मिलाया

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

कहते हैं कि, अगर इंसानियत जिंदा हो तो पराई दीवारें भी मायका बन जाती हैं और अजनबी लोग भी सगे माता-पिता सा फर्ज निभा जाते हैं। कुछ ऐसा ही भावुक कर देने वाला माजरा मध्य प्रदेश के छतरपुर में देखने को मिला, जहां निर्वाना फाउंडेशन ने सेवा, समर्पण और निस्स्वार्थ प्रेम की एक ऐसी अनूठी इबारत लिखी है, जिसकी गूंज अब सात समंदर पार न सही, लेकिन दो हजार किलोमीटर दूर कर्नाटक की राजधानी बैंगलोर तक पहुंच गई है।

मानसिक अवसाद (डिप्रेशन) के काले साए में भटककर करीब तीन साल पहले छतरपुर की सड़कों पर बदहवास घूमने वाली 40 वर्षीय अनुराधा शेट्टी आखिरकार अपने असली परिवार से मिल गईं। जब भाई ने इतने सालों बाद अपनी बहन को सही-सलामत देखा, तो दोनों एक-दूसरे के गले लगकर फफक-फफक कर रो पड़े। आश्रम

का माहौल ऐसा था, मानो किसी बेटी की डोली विदा हो रही हो।

निर्वाना फाउंडेशन के संचालक संजय सिंह ने अनुराधा के मिलने के उन शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि, लगभग 3 साल पहले जब अनुराधा पहली बार संस्था के सदस्यों को मिली थीं, तब उनकी मानसिक स्थिति बेहद दयनीय थी। वो न तो अपना नाम ठीक से बता पा रही थीं और न ही ये कि वो कहां से आई हैं। दरअसल, बैंगलोर में रहने के दौरान वो लगातार टीवी देखने और अत्यधिक अकेलेपन के कारण गहरे डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं। मानसिक संतुलन खोने के बाद वे कब, कैसे और किन ट्रेनों से बदलकर बैंगलोर से सीधे छतरपुर पहुंच गईं, यह आज भी एक रहस्य है। फाउंडेशन में लाने के बाद शुरू के कुछ महीने बेहद चुनौतीपूर्ण थे। लेकिन संस्था के सदस्यों ने हार नहीं मानी। उन्होंने अनुराधा को सिर्फ एक मरीज नहीं, बल्कि अपने घर की बेटी माना। लगभग एक वर्ष तक उन्हें भरपूर सेवा, पारिवारिक अपनापन, सम्मान और उचित चिकित्सीय उपचार दिया गया। इस निश्छल प्रेम और सही इलाज का ऐसा चमत्कारी असर हुआ कि अनुराधा के दिमाग पर छाया डिप्रेशन का कोहरा धीरे-धीरे छटने लगा। दिलचस्प बात ये है कि, पिछले दो सालों से पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद अनुराधा ने खुद को आश्रम के लिए समर्पित कर दिया था। वो संस्था की एक मजबूत रीढ़ बन गईं। आश्रम के अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए वो अनुराधा दीदी बन गईं, जो सुबह उठने से लेकर उन्हें पढ़ाने-लिखाने और उनकी देखभाल करने की पूरी जिम्मेदारी बेहद प्यार से संभालती थीं। अनुराधा के परिवार को खोजने की दास्तान भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। पिछले महीने जब अनुराधा पूरी तरह मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस कर रही थीं, तो अचानक एक दिन उनकी स्मृति की धुंधली परतों से कुछ पुराने मोबाइल नंबर निकल आए। उन्होंने बेहद हिचकिचाते हुए संस्था के पदाधिकारियों को वे नंबर नोट कराए। संस्था ने जब बिना वक्त गंवाए उन नंबरों पर डायल किया, तो दूसरी तरफ घंटी बजने के साथ ही उम्मीदों की एक नई किरण जागी। इतने वर्षों तक अनुराधा का कोई सुराग न मिलने के कारण जो परिवार अंदर से टूट चुका था और अपनी बेटी को मृत मानकर आस छोड़ चुका था।

आचार्य विद्यासागर की शिष्या हादसे का शिकार, श्रुतमती माता का निधन

रीवा। दोपहर मेट्रो

रीवा में जैन साध्वी बुधवार की सुबह भीषण हादसे का शिकार हो गई। पैदल जा रही साध्वी को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इस हृदय विदारक हादसे में साध्वी श्रुतमति माता का निधन हो गया। वहीं माता उपशममति गंभीर रूप से घायल हुई है जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। रोंगटे खड़े कर देने वाली यह घटना सिविल लाइन थाने के कलेक्टर के समीप हुई। आचार्य विद्यासागर की शिष्या आर्यका 105 श्रुतमति माता सहित आर्य 105 उपशममति माता, चैत्यमति माता व सौम्यमति माता प्रतिदिन की तरह जैन मंदिर से बांसघाट के पास शौच क्रिया के लिए आई हुई थी। बुधवार की सुबह 5:45 बजे वे जैसे ही कलेक्ट्रेट के सामने पहुंची तभी सिरमौर चौराहे तरफ से आ रही कार क्र. एमएच 49 सीडी 8309 काफी स्पीड से आई और उनको

टक्कर मारते हुए निकल गई। इस हादसे में श्रुतमति माता व उपशममति माता सहित उनके साथ मौजूद बच्चा सम्यक घायल हो गए। घटना से तड़के अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच गई जिस पर उनको उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया। गंभीर रूप से घायल श्रुतमति माता का निधन हो गया।

प्लास्टिक बैग बनाने वाली कंपनी में भीषण आग, मजदूरों को सुरक्षित निकाला

धार। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगरी पीथमपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहाँ आज सुबह एक प्लास्टिक बैग बनाने वाली कंपनी में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि उसने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। गनीमत यह रही कि समय रहते कंपनी में काम कर रहे 90 से अधिक मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल दमकल कर्मी आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब 9:30 बजे की है। कंपनी के स्क्रैप यार्ड में रखे थिनर और पेंट के ड्रमों से आग की शुरुआत हुई थी। चूंकि मामला प्लास्टिक बैग बनाने वाली फैक्ट्री का था और वहाँ भारी मात्रा में थिनर मौजूद था, इसलिए कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे यार्ड को अपनी चपेट में ले लिया और आसमान में धुएं का गुबार छा गया। जिस समय आग लगी, उस वक्त फैक्ट्री के भीतर 90 से अधिक मजदूर काम कर रहे थे। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस बल और कंपनी प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए सभी मजदूरों को सुरक्षित रूप से कंपनी परिसर से बाहर निकाला। राहत की बात यह है कि इस घटना में अभी तक किसी के भी हताहत होने या झुलसने की खबर नहीं है।

आग बुझाने के प्रयास जारी

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय फायर ब्रिगेड के वाहन मौके पर पहुंच गए थे। खबर लिखे जाने तक तीन दमकल वाहन मौके पर पहुंच चुके हैं और आग पर काबू पाने के लिए लगातार मशक्कत कर रहे हैं। दमकलकर्मियों द्वारा इस बात के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं कि आग फैक्ट्री के अन्य हिस्सों और आसपास की कंपनियों में न फैले। फिलहाल स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

फरार आरोपियों सहित कई असामाजिक तत्व गिरफ्तार

मारपीट व वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों का निकाला जुलूस

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में फरार आरोपियों, क्षेत्र की शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों एवं चोरी जैसी घटनाओं में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध अभियान शुरु किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं।

इसी के तहत थाना कैंट पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर क्षेत्र में लगातार कार्यवाही की जा रही है. थाना प्रभारी कैंट रोहित डोंगरे के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर कैंट क्षेत्रांतर्गत सदर, कजलीवन मैदान, मढिया बिठ्ठलनगर, शास्त्री चौक, कगरयाऊ घाटी, वात्सल्य स्कूल के पास एवं जोगर्स पार्क सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर असामाजिक तत्वों एवं फरार आरोपियों की धरपकड़ की गई। पुलिस ने आरोपियों का जुलूस भी निकाला। फरियादी जीशान खान निवासी एसपी बंगला एरिया एवं फरियादी सजल पिता समद खान निवासी घंसू मुंशी मस्जिद के पास थाना कोतवाली द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि आरोपी समीर खान, नोमान मंसूरी, राहिल खान, एहसान खान एवं इमरान उर्फ मुन्नू इकबाल सभी निवासी झूला तिराहा शुक्रवारी थाना गोपालगंज द्वारा मारपीट कर वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी। फरियादियों की रिपोर्ट पर थाना कैंट में अलग अलग अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। मुखबिर सूचना पर पुलिस द्वारा सभी आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया।

अपहरण एवं बलात्कार प्रकरण का फरार आरोपी गिरफ्तार

थाना कैंट क्षेत्र के अपहरण एवं बलात्कार प्रकरण में फरार आरोपी अभय अहिरवार निवासी मढिया को गिरफ्तार किया गया। फरियादी मनोज पटैल ने निवासी तुलसीनगर वार्ड ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात आरोपी द्वारा दुकान का ताला तोड़कर सामान चोरी कर लिया गया था। पुलिस द्वारा आरोपी आकाश निवासी पटेलियाना मोहल्ला मढिया बिठ्ठलनगर को गिरफ्तार कर चोरी गया मशरूका बरामद किया गया।

करोड़ों की नजूल भूमि पर निजी कब्जे की कोशिश नाकाम

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

गाडरवारा नगर की बहुमूल्य शासकीय नजूल भूमि को निजी हाथों में सौंपने की कथित साजिश पर आखिरकार प्रशासन ने बड़ा फैसला सुनाते हुए रोक लगा दी है। कलेक्टर नरसिंहपुर द्वारा दिए गए निर्णय के बाद उन लोगों को करारा झटका लगा है, जो वर्षों से सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर निजी दावा ठोकने की कोशिश में लगे थे।

अधिवक्ता सुरेंद्र राजपूत द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि गाडरवारा स्थित नजूल सीट क्रमांक 15, प्लॉट क्रमांक 25 की लगभग 18013 वर्गफुट शासकीय भूमि पर अंग्रेजी शासनकाल में वर्ष 1924-25 में नगर के समाजसेवी स्वर्गीय गौरीशंकर कावरा की स्मृति में एक भवन बनाकर सार्वजनिक उपयोग के लिए दान दिया गया था। यह भवन गौरीशंकर क्लब के नाम से जाना जाता था और शासन द्वारा रेंट-फ्री घोषित किया गया था। बताया गया है कि कुछ लोगों ने स्वयं को गौरीशंकर कावरा का वारिस बताते हुए राजस्व अधिकारियों को गुमराह कर उक्त शासकीय भूमि को निजी उपयोग के लिए बंटवारे के दायरे में लाने का प्रयास किया। इस मामले को लेकर नगर के जागरूक नागरिकों एवं अधिवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। मामला कलेक्टर न्यायालय नरसिंहपुर में अपील क्रमांक 0010/अपील/2024-25 के तहत पहुंचा, जहां सुनवाई के बाद दिनांक 05 मई 2026 को कलेक्टर ने स्पष्ट निर्णय देते हुए संबंधित भूमि को सार्वजनिक उपयोग की भूमि माना और निजी दावे से जुड़ी अपील को निरस्त कर दिया। कलेक्टर के इस फैसले के बाद नगर में चर्चा तेज हो गई है।

समीक्षा बैठक में दी जानकारी

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा एवं डीपीसी मनीष चौकसे द्वारा जिला मुख्यालय से ऑनलाइन टी.वी. स्क्रीन के माध्यम से जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, शासकीय एवं अशासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्य, बीएसी, संस्था प्रधान एवं जनशिक्षक शामिल हुए। बैठक में जल गंगा संवर्धन अंतर्गत रूफ वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण, WASH ON WHEEL ऐप के माध्यम से पानी की टंकियों की सफाई, नामांकन, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, साइकिल वितरण, सीएम हेल्पलाइन, छात्रवृत्ति प्रोफाइल अपडेट एवं मैपिंग, बालिका शौचालय, जीर्ण-शीर्ण एवं क्षतिग्रस्त भवनों की जानकारी, ड्रॉप आउट विद्यार्थियों की स्थिति, उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम, ट्रांजीशन, मेंटर विजिट/एफएलएन एवं परीक्षा परिणाम सहित अन्य विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, प्राचार्यों एवं संस्था प्रमुखों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करते हुए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही विद्यार्थियों के हित से जुड़े सभी कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

भोजपुरी फिल्मों की अभिनेत्री मोनालिसा ने बाबा महाकाल का लिया आशीर्वाद

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

भोजपुरी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री मोनालिसा गुरुवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने पहुंचीं। उन्होंने भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। जानकारी के अनुसार वे तड़के करीब 3 बजे भस्म आरती में शामिल होने मंदिर पहुंचीं। उन्होंने करीब दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल की भस्म आरती देखी।

कार्यों का निराकरण समय सीमा में नहीं करने पर पंचायत सचिवों पर लगाया जुर्माना

सागर। दोपहर मेट्रो

कार्यों के प्रति लापरवाही और प्रकरणों का निराकरण समय सीमा के अंदर नहीं करने पर बंडा, जैसीनगर, राहतगढ़, देवरी की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सचिवों पर जुर्माना लगाया गया। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा जारी जुर्माना आदेश के अनुसार बलवंत सिंह सचिव ग्राम पंचायत औरिया जैसीनगर, कामता प्रसाद सचिव ग्राम पंचायत खैराई राहतगढ, कृष्ण कुमार तिवारी सचिव ग्राम पंचायत मानेगांव देवरी एवं गौर कृष्ण दास ठाकुर सचिव ग्राम पंचायत कंदारी बंडा पर कार्यों का निराकरण समय सीमा में नहीं करने पर जुर्माना लगाया गया। लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के अंतर्गत द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी द्वारा अपने अधिकार का उपयोग करते हुए, आर्थिक सांख्यिकी विभाग के प्रकरण को समय सीमा के अंदर निराकरण न करने, साथ ही इस हेतु पूर्व में भी पंचायत सचिवों को निर्देशित करने के उपरांत भी प्रकरण का निराकरण समय सीमा में नहीं किया गया। साथ ही कारण बताओ नोटिस का भी ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा समाधान कारक जवाब नहीं दिया गया।

शादी से दो नाबालिग बच्चियों का अपहरण कर किया दुष्कर्म, एक आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के बाग थाना क्षेत्र में दो नाबालिग बच्चियों के साथ अपहरण और दुष्कर्म का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारदात के एक मुख्य आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका दूसरा साथी अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित दोनों नाबालिग बालिकाएं मूल रूप से गंधवानी क्षेत्र की रहने वाली हैं। वे बाग थाना क्षेत्र में अपने एक रिश्तेदार के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए आई थीं। सोमवार की रात जब शादी का कार्यक्रम चल रहा था, तभी दो युवकों ने बच्चियों को निशाना बनाया। दोनों युवक बच्चियों को डरा-धमकाकर जबरन अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर एक सुनसान जगह पर ले गए और वहां उनके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

वारदात के बाद पीड़ित बच्चियों ने अपने परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजनों ने मंगलवार को तुरंत बाग थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की और एक आरोपी महेंद्र कुचावल को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दुसरा आरोपी अजय पिता कालू मौर्य फरार है। महेंद्र गंधवानी के ग्राम देदली गांव का निवासी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी महेंद्र को बुधवार को कुक्षी कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बाग थाना प्रभारी कैलाश चौहान ने बताया कि मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर कुक्षी न्यायालय में पेश कर दिया गया है। फरार दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। मामले की विस्तृत विवेचना जारी है और जल्द ही दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार होगा।

सांप के डसने से दो सगी बहनों की दर्दनाक मौत

धार। दोपहर मेट्रो

बदनावर कानवन थाना क्षेत्र के ग्राम इंद्रावल मंगलवार रात सांप के काटने से दो सगी बहनों की मौत हो गई, दोनों बहनें छत पर सो रही थी उसी दौरान जहरीलें सांप ने दोंनों को काट लिया था। परिजन तुरंत दोनों बच्चियों को लेकर बदनावर के सिविल अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद दोनों बहनों को मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार गर्मी कारण महेश चौधरी की दोनों बेटियां योगिता 10 वर्ष और वेदिका 7 वर्ष रोजाना की तरह घर की छत पर सो रही थीं। इसी दौरान देर रात जहरीले सांप ने दोनों को अपना डंस लिया। बुधवार सुबह जब परिजन उन्हें जगाने पहुंचे, तो दोनों बेसुध हालत में मिलीं। परिजन तुरंत दोनों बच्चियों को लेकर बदनावर के सिविल अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद दोनों बहनों को मृत घोषित कर दिया।

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत विभाग (कर्षण–वितरण शाखा) जबलपुर
ई– निविदा सूचना, दिनांक 14.05.2026
एन.आई.टी नं. जबल–टीआरडी–निविदा–2026–06

वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/कर्षण–वितरण/पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित करते हैं। ठेकेदारों के पास राज्य सरकार द्वारा जारी विद्युतीय लायसेन्स (फर्म के नाम से या फर्म के किसी पार्टनर के नाम से या स्वयं के नाम में यदि सोल प्रोपराइटर हों) आई.ई. नियम 1956 के अनुसार होना चाहिए । **कार्य का नाम** : जबलपुर डिवीजन के मझगवां (एमजेजी) स्टेशन पर लाइनों के सीएसआर/सीएसएल को बढ़ाने के लिए टीआरडी/ओएचई का कार्य ।, **कार्य स्थल** : जबलपुर मण्डल ।, **कार्य की अवधि** : 12 माह, **कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू)** : रुपये 29,98,123.73/–(रुपये उनतीस लाख अट्ठानवे हजार एक सौ तेईस और तिहत्तर पैसे मात्र ।), **बयाना राशि** : रूपये–60,000.00/–, **निविदा जमा करने / खुलने की अंतिम तिथि एवं समय** : 11.06.2026, 15:00 बजे/11.06.2026, 15:30 बजे, **निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे बेब साईट** : https/www.ireps.gov.in निविदाकर्ता अपनी निविदाएँ आई आर ई पी एस की माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर ऑन लाइन निविदा करें । निविदाकताओं से अनुरोध है कि वे समय समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु IREPS की व्यवसाइट https://www.ireps.gov.in देखते रहें न्यूनतम पात्रता मान दण्ड टेण्डर फार्म के अनुसार और ज्वांइन्ट वेन्चर व साझेदारी इस निविदा के लिए लागू होगा। (हस्ता)

वरि. मं.वि.इंजी./क.वि.
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

मेट्रो एंकर — महिला किसानों का अनूठा प्रयास-बिना मिट्टी के उगाया जा रहा हरा चारा

हरा चारा उत्पादन में हाइड्रोपोनिक्स तकनीक का प्रयोग

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश का एक मात्र जिला सागर जहां बिना मिट्टी के उगाया जा रहा है हरा चारा। जिला आजीविका मिशन के अंतर्गत इसकी शुरुआत की गई है बगैर मिट्टी के खेती की जा रही। हाईड्रोपोनिक्स से तैयार किया जा रहा हरा चारा, इससे मिशन से जुड़ी महिलाओं सहित किसानों की आय भी बढ़ी है । बगैर मिट्टी के खेती करने की आधुनिक तकनीक का उपयोग की शुरुआत गोशालाओं में की जा रही है। यहां इसका उपयोग पशुचारा तैयार करने में किया जा रहा है। हाईड्रोपोनिका तकनीक से बनने वाले चारा से गायों को पोषण भी मिल ही रहा है. इसे तैयार करने वाली गौशाला संचालनकर्ता महिलाओं की आय भी बढ़ रही है।

मिशन के जिला प्रबंधक अनूप तिवारी ने बताया कि इसकी शुरुआत जिले में 16 गौशालाओं में की गई है। महिलाएं कमरे के अंदर केवल पानी का उपयोग करके हरा चारा तैयार कर रही हैं। इस तकनीक में एक किलो बीज से 7 किल्ली हरा चारा तैयार किया जा रहा है, यह किफायती के साथ ही गायों के लिए भरपूर पोषण देने वाला है। इस चारे में कैल्सियम, प्रोटीन के साथ ही पड़वर भी होता है। इस कारण यह गायों के लिए आम चारे की अपेक्षा ज्यादा पोषण देने वाला है।

आसानी से उगाई जा सकती है सब्जियां

सब्जियां, भाजी आसानी से उगाई जा सकती। इस तकनीक से पत्तेदार सब्जियां लेट्यूस सलाद पता जड़ी-भूरिया, पुदीना, तुलसी, धनिया, टमाटर, खरा मिर्च, शिमला मिर्च आदि आसानी से उगाई जा सकती हैं। इस तकनीक से गौशाला में काम करने वाली महिलाओं की आप भी बढ़ रही है। एक किलो बीज से 7 किलो चारा तैयार होता है। मक्का, गेहू एवं ज्वार का बीज जो गावं में 12 से 15 रुपए तक मिल जाता है। चारा गौशाला में 5 रुपए प्रति किलो में बिक जाता है। इस प्रकार 15/- रु लागत पर 20/- की आय प्राप्त होती है। अभी तक 16 गौशालाओं में 26880 किलो ग्राम चारा उत्पादन कर 537600 रुपए की आय प्राप्त हुई है।

हाईड्रोपोनिक्स आधुनिक तकनीक है, जिले में 16 गौशालाओं में इसकी शुरुआत कराई है। इसमें पौष्टिक चारा गायों को मिल रहा है।

कार्यालय अधीक्षक सब जेल बेगमगंज जिला रायसेन (म.प्र.)

क्रमांक 669 /निर्वाह/2026 बेगमगंज, दिनांक 15.05.2026

– :: ई –टेण्डरिंग तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना :: –
वार्षिक ठेका वर्ष 2026–27

सब जेल बेगमगंज में परिरूद्ध बंदियों के उपयोग में लगने वाली सामग्री खाद्यान्न सामग्री/सब्जी एवं फल/स्वच्छता, विद्युत, भवन निर्माण सामग्री एवं स्टेशनरी/सभी प्रकार की जैनरिक, ब्राण्डेड दवाईयां सामग्री की आपूर्ति हेतु म.प्र. जेल आपूर्ति नियम 1968 तथा म.प्र. भण्डार क्रय नियम 2015 (यथा संधोधित 2022) के अंतर्गत वार्षिक निविदाएं ऑनलाईन ई-टेण्डरिंग के माध्यम से दिनांक 03/06/2026 को सायंकाल 05:30 बजे तक बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक व्यापारीगण निविदा का विवरण www.mptenders.gov.in पर प्राप्त कर सकते है।

सहायक जेल अधीक्षक
सब जेल बेगमगंज
जिला रायसेन म.प्र.

जी–13162/26

579 रन, 53 छक्के, स्ट्राइक रेट 236...

15 साल के सूर्यवंशी एक आईपीएल में अब और कितनी तबाही मचाएंगे!

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 का वह नाम, जिसने सिर्फ रन नहीं बनाए, बल्कि अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरे टूर्नामेंट की धड़कन बदल दी है। मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंदों में 93 रन की तूफानी पारी खेलकर इस 15 साल के बल्लेबाज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ उभरता सितारा नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सुपरस्टार बनने की राह पर है। राजस्थान रॉयल्स ने इस मुकाबले को पांच गेंदें बाकी रहते 7 विकेट से जीतकर प्लेऑफ की ओर मजबूत कदम बढ़ाया, लेकिन मैच खत्म होने के बाद चर्चा सिर्फ और सिर्फ वैभव सूर्यवंशी की हो रही थी।

- 93 रन: वो भी सिर्फ 38 गेंदों में
- 7 चौके और 10 गगनचुंबी छक्के
- स्ट्राइक रेट 244.73

ऑरेंज कैप की रेस में भी वैभव सूर्यवंशी ने बड़ा धमाका कर दिया है। 13 मैचों में 579 रन बनाकर वह आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं और फिलहाल ऑरेंज कैप उन्हीं के सिर पर सजी है। खास बात यह है कि उनका स्ट्राइक रेट 236।32 का है, जो टॉप रन स्कोरर्स में सबसे ज्यादा है। ये आंकड़े किसी वीडियो गेम जैसे लगते हैं, लेकिन वैभव इसे लगातार मैदान पर सच साबित कर रहे हैं। आईपीएल 2026 में अब तक उनके बल्ले से 53 छक्के निकल चुके हैं, जो किसी भी टी20 टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा हैं। उनसे आगे सिर्फ यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल हैं, जिन्होंने आईपीएल 2012 में 59 छक्के लगाए थे। यानी अब वैभव और इतिहास के बीच सिर्फ 7 छक्कों की दूरी बची है।

वैभव के खेल में संतुलन, गेंदबाजों पर बनाते हैं दबाव

क्रिस गेल का 2012 वाला आईपीएल सीजन आज भी टी20 क्रिकेट के सबसे विस्फोटक सीजन में गिना जाता है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते हुए गेल ने उस सीजन 15 मैचों में 733 रन बनाए थे और पूरे टूर्नामेंट में 59 छक्के जड़ दिए थे। यही आईपीएल इतिहास में एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है, जिस पर अब वैभव सूर्यवंशी की नजर टिक चुकी है। सबसे खास बात यह है कि वैभव की बल्लेबाजी में सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि स्वाभाविक आक्रामकता और असाधारण टाइमिंग दिखाई देती है। कई युवा बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने के चक्कर में तकनीक खो देते हैं, लेकिन वैभव के खेल में संतुलन है। वह सिर्फ स्लॉग नहीं करते, बल्कि गेंदबाज की लाइन-लेंथ पढ़कर उसे मानसिक दबाव में डाल देते हैं। यही वजह है कि दुनिया के बड़े-बड़े गेंदबाज भी उनके सामने अपनी योजना बदलने को मजबूर हो रहे हैं। लखनऊ के खिलाफ उनकी पारी इसका सबसे बड़ा उदाहरण थी। शुरुआत से ही उन्होंने संकेत दे दिया था कि वह मैच को लंबा नहीं खींचेंगे। पावरप्ले में जिस तरह उन्होंने तेज गेंदबाजों को पुल और फ्लिक से निशाना बनाया, उसने विपक्षी कप्तान की रणनीति बिगाड़ दी। स्पिनर्स आए तो वैभव ने कदमों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें लॉन्ग ऑन और मिडविकेट के ऊपर से उड़ाना शुरू कर दिया। उनकी बल्लेबाजी में डर बिल्कुल नहीं दिखता। यही निडरता उन्हें बाकी युवा खिलाड़ियों से अलग बनाती है।

आरआर के वरदान से कम नहीं वैभव

राजस्थान रॉयल्स के लिए भी वैभव किसी वरदान से कम नहीं रहे। टीम ने इस सीजन कई करीबी मुकाबले जीते हैं और लगभग हर बड़ी जीत में वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी निर्णायक रही है। उनका प्रभाव सिर्फ स्कोरबोर्ड तक सीमित नहीं है। जब एक बल्लेबाज 15-20 गेंदों में मैच का रुख बदलने की क्षमता रखता हो, तो विपक्षी टीम शुरुआत से दबाव में आ जाती है। यही मानसिक बढ़त राजस्थान को बाकी टीमों से अलग बना रही है।

टीम इंडिया में अब गुजरात टाइटंस की लॉबी

वनडे में 4 और टेस्ट में सात खिलाड़ी जीटी के, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

नई दिल्ली , एजेंसी

आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। लीग अपने अंतिम दौर में है। हालांकि, इस लीग से ज्यादा चर्चा फिलहाल मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए चुनी गई भारत की वनडे और टेस्ट टीमकी हो रही है। दोनों टीमों में गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है।

दरअसल, भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ जून में एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। एकमात्र टेस्ट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं होगा और यह मुकाबला छह जून से खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 14 जून से होगी। फिर 17 और 20 जून को दो और वनडे मुकाबले खेले जाएंगे।

भारत की वनडे टीम में गुजरात टाइटंस से जुड़े चार खिलाड़ियों को जगह मिली है, जबकि टेस्ट स्क्वॉड में ऐसे खिलाड़ियों की संख्या सात तक पहुंच गई। इसके बाद कई फैंस और क्रिकेट पेजों ने इसे नई गुजरात टाइटंस लॉबी कहना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर तुलना सीधे पुरानी मुंबई लॉबी या दिल्ली लॉबी से की जा रही है, जिसकी चर्चा भारतीय क्रिकेट में वर्षों से होती रही है।

अफगानिस्तान के खिलाफ चुनी गई वनडे टीम में गुजरात टाइटंस से कप्तान शुभमन गिल के अलावा वॉशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं टेस्ट टीम में कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन, मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार और गुरनूर बराड़ को मौका मिला है और ये सभी गुजरात टाइटंस की टीम में शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आई

- » टीम के एलान के बाद सोशल मीडिया पर गुजरात टाइटंस लॉबी को लेकर चर्चा शुरू हो गई।
- » कुछ यूजर्स का मानना है कि चयन पूरी तरह प्रदर्शन और फॉर्म के आधार पर हुआ है।
- » फैंस का कहना है कि जीटी के कई खिलाड़ियों ने पिछले दो सीजन में घरेलू क्रिकेट और आईपीएल दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है।
- » खासकर शुभमन गिल, साई सुदर्शन और प्रसिद्ध कृष्णा लगातार भारतीय टीम के प्लान का हिस्सा रहे हैं।
- » फैंस का कहना है कि अगर खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहे हैं तो किसी फेंचाइजी से जुड़े होने पर सवाल नहीं उठने चाहिए।
- » वहीं, कुछ यूजर्स ने मीम्स और प्रतिक्रियाओं की बाढ़ ला दी। कई यूजर्स ने लिखा कि मुंबई लॉबी खत्म, अब गुजरात लॉबी शुरू।

छोटे-मोटे बदलाव से नहीं होगा कुछ, बांग्लादेश से शर्मनाक हार के बाद पाक कप्तान ने मांगी माफी

सिलहट, एजेंसी

पाकिस्तानी टीम के टेस्ट कप्तान शान मसूद ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली शर्मनाक हार के बाद साफ कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में अब सिर्फ छोटे-मोटे बदलाव से काम नहीं चलेगा, बल्कि ढांचागत सुधार की जरूरत है। बांग्लादेश ने सिलहट टेस्ट में 78 रन से जीत दर्ज करते हुए दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। यह पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ लगातार चौथी टेस्ट हार रही। इतना ही नहीं, टीम ने विदेशी धरती पर लगातार सातवां टेस्ट मुकाबला गंवाया है। हार के बाद मसूद ने माना कि टीम को अपनी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में गंभीर आत्ममंथन करना होगा। मसूद ने कहा- जरूरी बदलाव स्ट्रक्चरल होने चाहिए। इसके लिए जड़ तक जाना होगा और भावनाओं को अलग रखना होगा। हम इस हार से बेहद आहत हैं और फैन्स से

माफी मांगते हैं, लेकिन हमें भावुक होकर नहीं बल्कि सुधार की सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। पाकिस्तानी कप्तान ने माना कि दोनों टेस्ट मैचों में उनकी टीम के पास मुकाबले में वापसी करने के मौके थे, लेकिन अहम मौकों पर गलतियों ने टीम को पीछे धकेल दिया। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में पांच दिनों के दौरान छोटी गलतियां भी बेहद महंगी पड़ती हैं।

क्या पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ने वाले हैं शान मसूद

कप्तानी पर उठ रहे सवालों के बीच मसूद ने अपना पक्ष भी रखा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद हमेशा पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट को बेहतर बनाना रहा है और कप्तानी को लेकर अंतिम फैसला बोर्ड का होगा। उन्होंने कहा- मैंने यह जिम्मेदारी पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट को सुधारने के लिए ली थी। आगे क्या होगा, यह बोर्ड तय करेगा। मैं किसी भी भूमिका में रहूं, हमेशा पाकिस्तान के लिए पूरी ईमानदारी और गर्व के साथ काम करूंगा। मसूद ने यह भी स्वीकार किया कि लगातार हार के बाद यह कहना गलत होगा कि सबकुछ ठीक चल रहा है। उन्होंने कहा कि टीम को बिना भावुक हुए यह समझना होगा कि आगे बढ़ने के लिए क्या बदलाव जरूरी हैं।

मुंबई पर जीत के बाद तालिका में छठे स्थान पर पहुंची कोलकाता

प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अब भी बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। बुधवार को ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 148 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ कोलकाता की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में 13 अंक हो गए और नेट रन रेट +0.011 हो गया है। अब केकेआर को उनका आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है। कोलकाता ने इस जीत के दम पर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

मुंबई की पारी- मुंबई ने 41 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। जब पारी के आठ ओवर पूरे हो गए थे, बारिश ने दखल दिया, लेकिन ब्रेक के बावजूद ओवरों में कटौती नहीं की गई। कप्तान हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 गेंदों में 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। तिलक वर्मा 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पांड्या ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

कॉर्बिन बॉश ने दीपक चाहर के साथ आठवें विकेट के लिए 20 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। बॉश 18 गेंदों में दो छक्कों और तीन चौकों के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से सौरभ दुबे, कैमरून ग्रीन और कार्तिक त्यागी ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि सुनील नरेन ने एक विकेट निकाला।

आईपीएल 2026: अंक तालिका का हाल

टीम	मैच	जीते	हारे	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	13	9	4	0	18	+1.065
गुजरात टाइटंस	13	8	5	0	16	+0.400
सनराइजर्स हैदराबाद	13	8	5	0	16	+0.350
राजस्थान रॉयल्स	13	7	6	0	14	+0.083
पंजाब किंग्स	13	6	6	1	13	+0.227
कोलकाता नाइट राइडर्स	13	6	6	1	13	+0.011
चेन्नई सुपर किंग्स	13	6	7	0	12	-0.016
दिल्ली कैपिटल्स	13	6	7	0	12	-0.871
मुंबई इंडियंस	13	4	9	0	8	-0.510
लखनऊ सुपर जाएंट्स	13	4	9	0	8	-0.702

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जब सपनों को पूरा करने के लिए फरहाना को चुकानी पड़ी कीमत, बोलीं- आसान नहीं होता...

मुंबई। सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया।

कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं।

अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं।

फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। आईएएनएस से खास बातचीत में फरहाना ने बताया, मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।

परिवार से दूरी का फैसला आसान नहीं

फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई। फरहाना ने बताया, ÷जब आपके आसपास सच में कोई नहीं होता, सिर्फ आप और आपकी मां होती हैं और आप परिवार से रिश्ता तोड़ रहे होते हैं, तो उस पल आप खुद को पूरी तरह अकेलेपन के हवाले कर देते हैं। मैंने तय किया कि मैं अकेली रहूंगी, लेकिन अपने सपनों को नहीं छोड़ूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था।÷

अकेलेपन को ताकत मानती हैं रिद्धि डोगरा बोलीं- 'खुद के साथ खुश रहना सीखो'

इंस्टाग्राम पोस्ट में साझा किए दिल के जज्बात

मुंबई। रिद्धि डोगरा ने एक बार फिर अपनी सोच और बेबाक अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया है। टेलीविजन और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अकेलेपन और आत्मनिर्भरता को लेकर एक भावुक पोस्ट साझा की। उनकी यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है और लोग इससे खुद को जोड़ते नजर आ रहे हैं। रिद्धि ने इंस्टाग्राम पर लाल साड़ी में अपनी एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसमें वह कैफे में अकेले बैठी दिखाई दे रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा कि जब इंसान अकेले कैफे में खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ समय बिताने से डरना छोड़ देता है, तब समाज उसे अलग नजर से देखने लगता है। उनके अनुसार, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि व्यक्ति समाज की पुरानी सोच से बाहर निकलकर अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने लगता है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि जब कोई खुद के साथ खुश रहना सीख लेता है, तब वह दूसरों को खुश करने के दबाव से मुक्त हो जाता है। फिर जिंदगी केवल दूसरों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए नहीं जी जाती। उन्होंने लिखा कि ऐसे लोग रिश्तों में प्यार तो रखते हैं, लेकिन किसी को जबरदस्ती

बांधकर रखने की कोशिश नहीं करते। जरूरत पड़ने पर छोड़ना भी सीख जाते हैं, मगर दिल में सम्मान और प्रेम बना रहता है।

रिद्धि ने यह भी कहा कि ज्यादातर लोग इस सोच को समझ नहीं पाते, इसलिए उन्हें यह समझना मुश्किल हो जाता है कि ऐसे इंसान के साथ कैसे व्यवहार किया जाए। पोस्ट के आखिर में उन्होंने अकेलेपन को अपनी खूबसूरत कहानी बताते हुए लिखा कि जिंदगी ने उन्हें अकेलापन जरूर दिया, लेकिन उन्होंने उसे अपना दोस्त बना लिया।

मेट्रो बाजार

भारत के दोपहिया क्षेत्र की वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 5% रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत के दोपहिया क्षेत्र की वॉल्यूम ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत तक रहने की उम्मीद है। इसकी वजह जीएसटी कम होना, रिप्लेसमेंट मांग का बढ़ाना है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। आईसीआरए द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू दोपहिया वाहनों की थोक वॉल्यूम में अप्रैल में सालाना आधार पर 29.2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली थी और इस दौरान यह 1.9 मिलियन यूनिट्स रही। इसकी वजह जीएसटी 2.0 का लागू होना है। हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि उच्च आधार प्रभाव, अल नीनो के कारण मानसून के कमजोर पूर्वानुमान, ईंधन की कीमतों में वृद्धि और इनपुट लागत में बढ़ोतरी के कारण आने वाले महीनों में ग्रोथ धीमी हो सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि खुदरा मांग भी इस महीने स्वस्थ बनी रही, जिसमें सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि उम्मीद से कम मूल्य वृद्धि, मजबूत कृषि उत्पादन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह में स्थिरता और मई के मध्य तक चलने वाले शादी के सीजन के कारण संभव हुई। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर (ई2डब्ल्यू) सेगमेंट की रफ्तार लगातार बढ़ती रही, क्योंकि अप्रैल 2026 में टू-व्हीलर सेगमेंट की खुदरा बिक्री 1,54,337 यूनिट रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 68.1 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। वित्त वर्ष 2026 के लिए, ई2डब्ल्यू की बिक्री में लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अप्रैल 2026 में समग्र टू-व्हीलर बाजार में इसकी हिस्सेदारी 8.1 प्रतिशत तक पहुंच गई।

राहत: मध्य पूर्व संकट के बीच सरकारी कंपनी बीपीसीएल ने रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

नई दिल्ली। मध्य पूर्व संकट के बीच सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ रही है और मौजूद समय में कंपनी के कुल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 41 प्रतिशत पहुंच गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही जनवरी से मार्च में 31 प्रतिशत थी। यह जानकारी कंपनी के डायरेक्टर फाइनेंस वीआरके गुप्ता ने बुधवार को दी। मीडिया से बातचीत में गुप्ता ने बताया कि मध्य पूर्व में तनाव के चलते कंपनी ने विविध स्रोतों विशेषकर रूस से कच्चे तेल की खरीद को बढ़ाया है। इससे पहले वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही अक्टूबर से दिसंबर 2025 में कंपनी के आयात बास्केट में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजों के बाद कॉन्फ्रेंस कॉल में गुप्ता ने कहा कि हमने इस वर्ष आठ नए ग्रेड के कच्चे तेल में विविधता लाई है, जो चार भौगोलिक क्षेत्रों को कवर करती है। मैं पक्षकारों को यह भी आश्वस्त करना चाहता हूं कि जुलाई 2026 तक कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली गई है।इसके अतिरिक्त, गुप्ता ने कहा कि कंपनी रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देशों से भी कच्चे तेल की खरीद कर रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 27 के लिए 25,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च का लक्ष्य रखा है, जो कि वित्त वर्ष 26 में हुए 20,400 करोड़ रुपए से पूंजीगत खर्च से काफी अधिक है। इससे पहले बीपीसीएल ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही के नतीजे जारी किए। मार्च तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 5,624.54 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष में 4,391.83 करोड़ रुपए था। क्रमिक आधार पर कंपनी के मुनाफे में 22 प्रतिशत की गिरावट आई है और वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में 7,188.40 करोड़ रुपए था।

दिल्ली-एनसीआर में चक्काजाम

» ट्रांसपोर्टरों की आज से हड़ताल, दैनिक सेवाओं की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली। ट्रांसपोर्टर आज से तीन दिवसीय हड़ताल कर रहे है। 23 मई तक प्रस्तावित इस हड़ताल का असर आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ सकता है। दिल्ली, एनसीआर और आसपास के राज्यों में व्यावसायिक वाहनों का परिचालन प्रभावित होने से सब्जी, दूध, दवा और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने की आशंका है।

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने दिल्ली में व्यावसायिक वाहनों पर बढ़ाए गए हरित शुल्क और बीएस-4 वाहनों के प्रवेश प्रतिबंध के विरोध में हड़ताल का आह्वान किया है। संगठन का दावा है कि दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के 126 परिवहन संगठन आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं।

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि हड़ताल के दौरान वाहन जहां होंगे, वहीं खड़े कर दिए जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन और बड़ा किया जाएगा।अनुमान है कि हड़ताल से प्रतिदिन 25 से 30 हजार व्यावसायिक वाहनों का संचालन प्रभावित हो सकता है। इनमें सात से 10 हजार वाहन खाद्य सामग्री, डेयरी उत्पाद और दवाओं जैसी जरूरी वस्तुओं की ढुलाई करते हैं। ऐसे में यदि हड़ताल पूरी तरह सफल रही तो मंडियों से लेकर खुदरा बाजार तक इसका असर दिखाई दे सकता है।ट्रांसपोर्टरों का आरोप है कि बिना वैज्ञानिक आधार के बीएस-4 वाहनों पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है और हरित शुल्क में बढ़ोतरी से माल ढुलाई लागत लगातार बढ़ रही है।

न्यूज विंडो

महाराष्ट्रः बाजार में लगी भीषण आग फायरमैन और सिक्योरिटी गार्ड की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक मार्केट कॉम्प्लेक्स में तड़के भीषण आग लग गई। इस भयानक आग की चपेट में आने से एक फायरमैन और एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई, जबकि दो अन्य दमकलकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। आग इतनी विकराल थी कि इसे बुझाने के लिए विभाग को ब्रिगेड कॉल घोषित करनी पड़ी।क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासिन तड़वी ने बताया कि ठाणे रेलवे स्टेशन के पास स्थित गामदेवी मार्केट कॉम्प्लेक्स में गुरुवार तड़के करीब 3:45 बजे अचानक आग लग गई। इस कॉम्प्लेक्स में कपड़े, फल और सब्जियों की ढेरों दुकानें व स्टॉल स्थित थे।देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि आसमान में धुएं का गुबार और ऊंची लपटें उठने लगीं, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप और अफरा-तफरी मच गई।

हाजीपुर में सुपारी लेकर हत्या करने पहुंचा शूटर, ग्रामीणों ने दबोचा

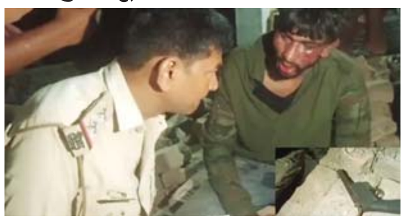

हाजीपुर। औद्योगिक थाना क्षेत्र के हिलालपुर में रात 50 हजार की सुपारी लेकर हत्या करने पहुंचे एक शूटर को ग्रामीणों ने हथियार समेत पकड़ लिया। भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़ा गया युवक हिलालपुर निवासी रंजीत यादव के भाई सुभाष यादव की हत्या करने आया था।पकड़ा गया युवक बराटी थाना क्षेत्र के चकियारी गांव के रहने वाला भूषण कुमार बताया गया। उसके पास से पुलिस ने देसी कट्टा कारतूस और भारी मात्रा में मादक पदार्थ हेरोइन बरामद किया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

कर्नाटकः मॉल की लिफ्ट में फंसे 9 लोग, दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला

शिवमोग्गा।कर्नाटक के शिवमोग्गा स्थित 'विशाल मार्ट' मॉल में् रात एक बड़ा हादसा टल गया। जहां दूसरी मंजिल से नीचे आते समय अचानक तकनीकी खराबी के कारण एक लिफ्ट बीच में ही रुक गई। इससे लिफ्ट में में सवार नौ लोग करीब आधे घंटे तक अंदर फंसे रहे।लिफ्ट के अंदर फंसे लोग घबरा गए और मदद के लिए चिल्लाने लगे। लिफ्ट के न खुलने और अंदर अफरा-तफरी मचने के बाद, आपातकालीन हेल्पलाइन (112) की सूचना पर दमकल और आपातकालीन सेवा विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे।दमकल विभाग के कर्मचारियों ने भारी मशक्कत और कटर मशीन के इस्तेमाल के बाद लिफ्ट का दरवाजा तोड़कर अंदर फंसे सभी 9 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि इस घटना में किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आए लोगों के बीच दहशत फैल गई।

नशा मुक्ति केंद्र से ताला तोड़ 30 युवक फरार, स्टाफ के साथ की थी धक्का-मुक्की

मोगा। मोगा के गांव जनेर स्थित सरकारी नशा मुक्ति केंद्र से करीब 28 से 30 मरीज स्टाफ के साथ बदसलूकी और धक्का-मुक्की करने के बाद गेट के ताला तोड़ कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की तफ्तीश में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, थाना कोट इसे खां के अंतर्गत आने वाले गांव जनेर के सरकारी नशा मुक्ति केंद्र में अचानक माहौल गरमा गया। सेंटर में उपचाराधीन मरीजों की किसी बात को लेकर वहां तैनात स्टाफ सदस्यों के साथ तीखी बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि मरीजों ने स्टाफ के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी और उन्हें पीछे धकेलते हुए गेट के ताला तोड़ कर मुख्य गेट से बाहर भाग निकले। बताया जा रहा है कि इस सरकारी नशा मुक्ति केंद्र में कुल 95 मरीज अपना इलाज करवा रहे थे। इनमें से करीब 28 से 30 युवक मौका पाकर वहां से भागने में कामयाब रहे।

भारत ने यूएन में पाकिस्तान को जमकर धोया

जो अपने ही लोगों पर बम बरसाता है, वो हमें ज्ञान न दे

न्यूयार्क, एजेंसी

भारत ने वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को एक बार फिर तगड़ी लताड़ लगाई है। भारत के खिलाफ जहर उगलने की नापाक कोशिश कर रहे पाकिस्तान को इस बार भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारतीय अधिकारी से करारा जवाब मिला। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतनेनी ने एक बहस के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने पर उसे खुद की गिरेबान में झांकने की सलाह भी दी। भारत ने दोटूक शब्दों में कहा कि जिस देश का खुद का इतिहास नरसंहार के काले कारनामों से सना हुआ है, उसका भारत के आंतरिक मामलों पर बोलना एक भद्दा मजाक है।

हरीश पर्वतनेनी ने पाकिस्तान के हालिया क्रूर कारनामों का कच्चा चिट्ठा खोलते हुए इसी साल अफगानिस्तान पर किए गए हवाई हमलों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 'दुनिया भूली नहीं है कि इसी साल मार्च में पवित्र रमजान के महीने में, जब शांति और रहम का समय होता है, पाकिस्तान ने काबुल के 'ओमिद नशामुक्ति उपचार अस्पताल' पर बर्बर हवाई हमला किया था। संयुक्त राष्ट्र मिशन के मुताबिक, इस हमले में 269 मासूम नागरिकों की जान गई और 122 लोग घायल हुए। यह हमला तब किया गया जब लोग नमाज के बाद मस्जिद से बाहर निकल रहे थे। पाकिस्तान अंधेरे में मासूम नागरिकों को निशाना बनाता है और अंतरराष्ट्रीय कानून का पाखंड करता है। '

याद दिलाई 1971 की बर्बरता

भारत ने पाकिस्तान की सेना द्वारा अपने ही नागरिकों पर ढाए गए जुल्मों का इतिहास भी याद दिलाया। भारतीय राजदूत ने कहा, 'यह वही पाकिस्तान है जिसने 1971 में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के दौरान अपनी ही सेना से लाख महिलाओं का रेप कराया।' भारत ने आगे कहा कि जो देश अपने ही लोगों पर बम बरसाता आया हो और जिसने लाखों लोगों का कत्लेआम किया हो, उसके मुंह से मानवाधिकारों की बात शोभा नहीं देती। वहीं आंकड़ों का हवाला देते हुए भारत ने बताया कि पाकिस्तानी हमलों की वजह से अब तक 94,000 से अधिक अफगान नागरिक विस्थापित हो चुके हैं।भारत ने स्पष्ट में यह भी बताया कि पाकिस्तान पिछले कई दशकों से अपनी आंतरिक नाकामियों से देश की जनता का ध्यान भटकाने के लिए अपनी सीमाओं के अंदर और बाहर आतंक और हिंसा का सहारा लेता आया है। राजदूत पर्वतनेनी ने अंत में कहा, 'जिस देश के पास न कोई विश्वास है, न कोई कानून है और न ही कोई नैतिकता, उसकी खोखली बयानबाजी और प्रोपेगैंडा को अब पूरी दुनिया अच्छी तरह समझ चुकी है। '

पाखंडी है पाकिस्तान का रवैया

पर्वतनेनी ने पाकिस्तान के इस रवैये को पाखंडी करार दिया। उन्होंने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून के उच्च सिद्धांतों का पालन करने का दावा करता है, जबकि अंधेरे में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाता है। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा किए गए ये हवाई हमले शाम की नमाज के आखिर में हुए, जब कई मरीज मस्जिद से निकल रहे थे। अफगानिस्तान के नागरिकों के खिलाफ सीमा पार से की गई सशस्त्र हिंसा के कारण 94,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए।

शुभेंदु सरकार ने 180 दिन के लिए मांगी CAPF की 500 कंपनियां

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की पांच सौ कंपनियों को तैनात किया गया था। गत सप्ताह राज्य के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य की गहन समीक्षा की गई। इसके बाद निर्णय लिया गया कि राज्य से अब केंद्रीय बलों की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से हटा लिया जाएगा। पहले चरण में 100 कंपनियों यानी 10 हजार जवानों की पश्चिम बंगाल से वापसी का आदेश जारी किया गया। अब पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से आग्रह किया है कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर 180 दिन यानी अक्तूबर तक सीएपीएफ की पांच सौ कंपनियों की तैनाती को बरकरार रखा जाए। गृह मंत्रालय ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के आग्रह पर विचार किया और 20 जून तक केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीएपीएफ की पाँच सौ कंपनियों को राज्य में तैनात करने का आदेश जारी किया है।

फोर्स की ऑपरेशनल जरूरतों का ध्यान

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी आदेश में कहा गया है कि सीआरपीएफ की 200, बीएसएफ की 150, सीआईएसएफ की 50, आईटीबीपी की 50 और एसएसबी की 50 कंपनियाँ, अब बीस जून तक कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य में तैनात रहेंगी। राज्य सरकार को केंद्रीय बलों की तैनाती के लिए ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक और ठहरने के उचित स्थान का इंतजाम करना होगा।

बाप ने किए बेटी के टुकड़े-टुकड़े ट्रेन में बक्से और बैग में छोड़े

लखनऊ । किशोरी की हत्या के बाद शव के छह टुकड़े कर उसे छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस में रखने के मामले में जीआरपी को अहम सफलता मिली है। फुटेज में मिले संदिग्ध की पहचान कर उसे हिरासत में लिया गया है।छानबीन में सामने आया है कि पिता ने ही बेटी की हत्या कर शव के छह टुकड़े किए थे। वह एक युवक से फोन पर बात करती थी। पिता के मना करने पर बेटी ने उसकी बात नहीं मानी, जिससे नाराज होकर उसने वारदात को अंजाम दिया।

नफरत करने लगा था पिता

बिग्गन ने बेटी को युवक से दूर रहने के लिए कहा था। कई बार चेतावनी देने के बाद भी शब्बा युवक के संपर्क में बनी रही। इस बात से

बिग्गन बहुत नाराज था और बेटी से नफरत करने लगा था। उसे लगता था कि उसकी बेइज्जती हो रही है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी की दो बेटियों ने प्रेम विवाह कर लिया था। उसे डर था कि शब्बा भी उसी रास्ते पर चली जाएगी।देर शाम घर में ही शब्बा की हत्या की और बहन-बहनोई की मदद से उसने धारदार हथियार से शव के टुकड़े कर दिए। सिर गांव के तालाब में फेंक दिया।

टूटने की कगार पर टीएमसी! प्रदर्शन में पहुंचे आधे से भी कम विधायक, सामूहिक इस्तीफे का दौर

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनावों में हार के बाद टीएमसी में असंतोष और आंतरिक खींचतान के संकेत खुलकर सामने आने लगे हैं। पार्टी के पहले बड़े विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में विधायकों की बेहद कम मौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया। वहीं, TMC नियंत्रित दो नगर पालिकाओं में पार्षदों के सामूहिक इस्तीफों ने पार्टी नेतृत्व की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।विधानसभा परिसर में अंबेडकर प्रतिमा के पास आयोजित धरने में पार्टी के 80 विधायकों में से केवल 36 विधायक ही शामिल हुए। यह प्रदर्शन चुनाव के बाद कथित हिंसा, बुलडोजर एक्शन और नई राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे फेरीवालों को हटाने के अभियानों के खिलाफ आयोजित किया गया था।

उठने लगे ये सवाल

पार्टी बैठक में कई विधायकों ने नेतृत्व के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। उनका कहना था कि केवल बंद कमरों में बैठकें करने से जनता का भरोसा वापस नहीं मिलेगा। नेताओं ने सुझाव दिया कि पार्टी को सड़कों पर उतरकर आक्रामक आंदोलन करना होगा और जनता से सीधे संवाद बढ़ाना होगा। इसी बीच उत्तर 24 परगना जिले की कांचरापाड़ा और हलीशहर नगर पालिकाओं में पार्षदों के सामूहिक इस्तीफों ने पार्टी के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। कांचरापाड़ा नगर पालिका में 24 में से 15 पार्षदों ने इस्तीफा सौंप दिया, जबकि हलीशहर में 23 में से 16 पार्षदों ने सामूहिक रूप से पद छोड़ दिया।

भवानीपुर के अपने वार्ड में भी शुभेंदु से पीछे रहीं ममता

पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट के 73 नंबर वार्ड में हुए मतदान में बीजेपी ने अपना दबदबा साबित किया है। 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में इस वार्ड के अंतर्गत कुल 14,179 वोट डाले गए थे। आंकड़ों के मुताबिक, बीजेपी प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी को 8,932 वोट मिले, जिनका प्रतिशत 62.99 रहा। दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस को सिर्फ 4,284 वोट यानी 30.21 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। भवानीपुर के इसी वार्ड में ममता बनर्जी का कालीघाट स्थित आवास भी आता है, जिसके कारण यह परिणाम राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण और चौंकाने वाला साबित हुआ है।

मेट्रो एंकर

समय का निवास माली के घर होना भी अच्छे मानसून के संकेत

नौतपा 25 मई से... रोहिणी का समुद्र में निवास कराएगा अच्छी बारिश

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

25 मई से नौतपा की शुरुआत होगी। यह समय वर्षा ऋतु के चक्र का निर्धारण करता है। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार इस बार रोहिणी का निवास समुद्र के घर होने से यह उत्तम वृष्टि के संकेत दे रहा है। वर्षा ऋतु में सुवृष्टि के लिए शुभलक्षणों में समय के निवास की भी स्थिति देखी जाती है। इस बार समय का निवास माली के घर होने को भी अच्छी बारिश से जोड़कर देखा जा रहा है।

मेदिनी ज्योतिष के अनुसार जलवायु में परिवर्तन का कारक सूर्य जब नक्षत्र विशेष में प्रवेश करता है, तो मौसम को प्रभावित करता है। पंचांग की गणना के अनुसार 25 मई को सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश होगा।

सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश को नौतपा कहा जाता है। क्योंकि सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश तो अधिकतम 14 दिन का रहता है, लेकिन बारिश का चक्र निर्मित करने के लिए प्रथम नौ दिन महत्वपूर्ण होते हैं। इन नौ दिनों में वर्षाऋतु के अगले चार माह की स्थिति कैसी रहेगी इसका निर्धारण हो जाता है। नवतपा के नौ दिन में मौसम की अलग-अलग प्रकार की स्थिति बनती है। इसमें तेज धूप, आंधी तूफान, बूंदा बांदी, तेज बारिश, कम बारिश होती है। नौ दिन में होने वाले मौसम के परिवर्तन से बारिश की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

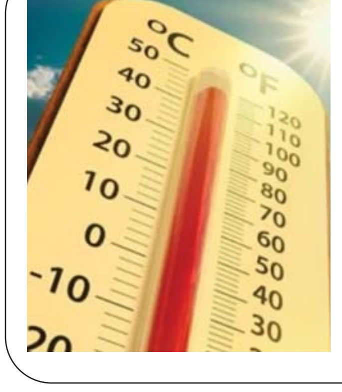

वाष्पीकरण की प्रक्रिया तेज होगी

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अतिवृष्टि, अल्प वृष्टि तथा खंड वृष्टि की स्थिति का पता लगाने के लिए रोहिणी व समय के निवास को देखा जाता है। इस बार रोहिणी का निवास समुद्र में है। समुद्र जल तत्व का प्रमुख केंद्र है, रोहिणी का निवास समुद्र में होने से नौतपा में वाष्पीकरण तेजी से होगा इससे बादल बनाने की प्रक्रिया तेज होगी जो बारिश कराएगी।

समय का वाहन चातक, निवास माली के घर

नौतपा में समय का निवास माली के घर होने का भी सुवृष्टि के लिए उत्तम माना जा रहा है। विशेष यह है कि इस बार समय का निवास चातक के घर होने से भी अच्छी बारिश व उत्तम खेती के योग बन रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564